सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" श्रेष्ठ वहीं है जिसमें दृढ़ता हो, जिद नहीं,
बहादुरी हो, जल्दबाजी नहीं, दवा हो, कमजोरी नहीं ...!!
अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–286 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, बुधवार 04 नवंबर 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

बीएसपी आवास मामले में ऐतिहासिक राहत पर आभार : पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पाण्डेय के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने की मुख्यमंत्री साय से भेंट

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई-रायपुर



भिलाई स्टील प्लांट (बीएसपी) के आवासों को लेकर लंबे समय से चली आ रही समस्याओं के समाधान और शासन द्वारा दी गई ऐतिहासिक राहत पर पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पाण्डेय के नेतृत्व में भिलाई स्टील प्लांट के 'सेवानिवृत्त कार्मिक कल्याण संघ' एवं 'थर्ड पार्टी कल्याण संघ' के पदाधिकारियों व प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री निवास में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से सौजन्य भेंट की और जनहितैषी निर्णय के लिए उनका हृदय से आभार जताया।

भेंट के दौरान पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि बीएसपी टाउनशिप में रिटेंशन स्कीम के अंतर्गत निवासरत पूर्व कार्मिकों तथा थर्ड पार्टी आवास धारकों के सामने आवास नवीनीकरण व नियमितीकरण को लेकर लंबे समय से गंभीर अनिश्चितता बनी हुई थी। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पाण्डेय और सांसद विजय बघेल के निरंतर प्रयासों तथा राज्य शासन की संवेदनशीलता के कारण इस समस्या का सुगम व न्यायसंगत समाधान संभव हो सका है।

रिटेंशन स्कीम के अंतर्गत आने वाले आवासों का मासिक किराया पहले 24 रुपए प्रति वर्गफीट निर्धारित था। अब इसे घटाकर 6 रुपए प्रति वर्गफीट किए जाने से आवासधारियों को सीधे 75 प्रतिशत की राहत मिलेगी। यदि किसी आवास का क्षेत्रफल 500 वर्गफीट है, तो पहले उसके लिए प्रतिमाह 12 हजार रुपए किराया देना पड़ता था। नई दर लागू होने पर यही किराया 3 हजार रुपए रह जाएगा। इस प्रकार संबंधित परिवार को हर महीने 9 हजार रुपए और पूरे वर्ष में 1 लाख 8 हजार रुपए की बचत होगी।

थर्ड पार्टी श्रेणी के आवासधारियों को भी संशोधित दर का लाभ मिलेगा। इस श्रेणी में पहले 8 रुपए प्रति वर्गफीट प्रतिमाह किराया निर्धारित था, जिसे अब 6 रुपए कर दिया गया है। इससे थर्ड पार्टी आवासधारियों का किराया 25 प्रतिशत कम हो जाएगा। नई व्यवस्था से दोनों श्रेणियों के संबंधित आवासों के लिए किराए की दर में एकरूपता भी आएगी।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार, संशोधित किराया व्यवस्था से बीएसपी टाउनशिप के कुल 3,946 आवासधारियों के लाभान्वित होने का अनुमान है। इनमें रिटेंशन श्रेणी के 1,158 और थर्ड पार्टी श्रेणी के 2,788 आवास शामिल बताए गए हैं। उल्लेखनीय है कि भिलाई इस्पात संयंत्र में वर्षों तक सेवाएं देने के बाद सेवानिवृत्त हुए अनेक कर्मचारी आज सीमित पेंशन अथवा आय के अन्य साधनों पर निर्भर हैं। ऐसे परिवारों के लिए आवास किराए में भारी वृद्धि अतिरिक्त आर्थिक दबाव का कारण बनी हुई थी। संशोधित दर लागू होने से उनकी नियमित मासिक व्यय राशि में उल्लेखनीय कमी आएगी और पारिवारिक आवश्यकताओं के लिए अधिक राशि उपलब्ध हो सकेगी।

3 राज्यों में बगावत की सियासत ने बढ़ाया सियासी पारा



नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली

जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र और पंजाब में सत्ता पक्ष के अंदरूनी झगड़े ने सियासत गरमा दी है।

जम्मू-कश्मीरः नेकां सांसद का इस्तीफा

नेशनल कॉन्फ्रेंस में कैबिनेट फेरबदल से शुरू हुआ विवाद इस्तीफे तक पहुंचा। श्रीनगर सांसद आगा सैयद रुहुल्ला मेहदी ने बडगाम में समर्थकों के बीच पार्टी और लोकसभा सदस्यता से इस्तीफे का एलान किया।

80 मिनट के भाषण में उन्होंने उमर और फारूक अब्दुल्ला पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी ने अनुच्छेद 370 की बहाली, आरक्षण सुधार और राजनीतिक बंदियों की रिहाई जैसे वादे पूरे नहीं किए। 25 विधायक पहले से ही बगावती तेवर में हैं। इस्तीफा लोकसभा अध्यक्ष को भेजा गया है।

महाराष्ट्रः NCP में विलय की कोशिश पर ब्रेक

NCP के सुनेत्रा पवार विरोधी गुट के नेता प्रफुल्ल पटेल, छगन भुजबल, दिलीप वलसे पाटिल समेत कई नेता गृह मंत्री अमित शाह से मिले और दोनों धड़ों के विलय की संभावना तलाशी। सूत्रों के मुताबिक शाह ने पहले आंतरिक कलह खत्म करने की नसीहत देकर विलय पर फिलहाल विराम लगा दिया। फिलहाल सुनेत्रा गुट और विरोधी गुट में जोर-आजमाइश जारी है।

पंजाबः आप के 3 विधायक भाजपा में

टिकट बंटवारे से नाराज अआद के तीन विधायक – समाना से चेतन सिंह जौड़ामाजरा, सनौर से हरमीत सिंह पठानमाजरा और अमृतसर उत्तरी से कुंवर विजय प्रताप सिंह – भाजपा में शामिल हो गए। इससे AAP के लिए विधायकों का भरोसा बचाना चुनौती है।

महादेव सट्टा : सौरभ चंद्राकर CBI रिमांड पर, रायपुर एयरपोर्ट पर गुपचुप लाया गया

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

महादेव सट्टा ऐप के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर को ओमान से प्रत्यर्पित कर भारत लाया गया है। मंगलवार शाम इंडिगो फ्लाइट E6 2307 से उसे उड़कटीम के साथ रायपुर एयरपोर्ट लाया गया। मीडिया को चकमा देने के लिए दूसरे गेट से और कुछ देर के लिए लाइटें बंद कर बाहर निकाला गया, फिर सीधे CBI दफ्तर ले जाया गया।

कोर्ट में पेशी, बचाव पक्ष ने उठाए सवाल

सोमवार को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने 2 दिन की ट्रांजिट रिमांड दी थी। बुधवार को रायपुर की CBI विशेष अदालत में पेश किया गया, कोर्ट परिसर में भारी सुरक्षा रही।

बचाव पक्ष ने दलील दी कि भारत ने ओमान को प्रत्यर्पण के लिए जो अनुरोध भेजा था, उसमें एऊके मामले को मंजूरी मिली थी, **CBI** के मामले को नहीं, इसलिए **CBI** रिमांड प्रत्यर्पण शर्तों का उल्लंघन है। वहीं **CBI** ने कहा कि रायपुर कोर्ट ने पहले ही ओपन एंडेड गैर-जमानती वारंट जारी किया था और **ED-CBI** के मामले जुड़े हुए हैं, इस पर फैसला रायपुर कोर्ट करेगी।



क्या है आरोप

CBI के मुताबिक सौरभ चंद्राकर, रवि उप्पल और सहयोगियों ने महादेव बुक ऐप प्रमोट किया, अलग-अलग पैनल बनाकर सट्टा खिलाया, पैसा अलग-अलग खातों से घुमाकर UAE भेजा गया।



नेटवर्क दुबई से चलाने और छत्तीसगढ़ के युवकों को कर्मचारी बनाने का आरोप है।

घोटाला करीब 6 हजार करोड़ का बताया जा रहा है। मामला अदालत में विचाराधीन है। छत्तीसगढ़ सरकार ने 13 FIR CBI को सौंपी हैं, 2 में चार्जशीट दाखिल हो चुकी है। ED मनी लॉन्ड्रिंग की जांच कर रही है।

सियासी बयानबाजी

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गिरफ्तारी पर CBI को बधाई दी और कहा प्रोटेक्शन मनी का खुलासा होगा। वहीं कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कार्रवाई कांग्रेस सरकार में शुरू हुई थी, 70 से ज्यादा FIR हुई, कानून बनाए गए। उन्होंने शुभम सोनी की गिरफ्तारी पर सवाल उठाए।

सौरभ चंद्राकर CBI की विशेष कोर्ट में पेश, 10 दिन की रिमांड की मांग

महादेव सट्टा ऐप का आरोपी सौरभ चंद्राकर कड़ी सुरक्षा में CBI की विशेष कोर्ट में पेश। CBI ने 10 दिन की पुलिस रिमांड का आवेदन लगाया। CBI की ओर से चंदन सिंह पैरवी कर रहे हैं। बचाव पक्ष से तुषार गिरी और शशांक मिश्रा दलील दे रहे हैं। बचाव पक्ष ने गिरफ्तारी को अवैध बताया – कहा CBI ने कोई अहम दस्तावेज नहीं दिखाए, CBI आज अलग स्टैंड ले रही है। बचाव पक्ष ED के PMLA मामले में गिरफ्तारी का जिक्र कर रहा है। कोर्ट परिसर में ED की टीम और वरिष्ठ अफसर भी मौजूद।

बीएसपी स्क्रैप चोरी घोटाला

खेल अब भी जारी, दुर्ग पुलिस ने सीबीआई को सौंपे दस्तावेज



नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई स्टील प्लांट से 250 टन औद्योगिक स्क्रैप चोरी के बहुचर्चित मामले में जांच सीबीआई को सौंपने की प्रक्रिया तेज हो गई है। दुर्ग पुलिस ने उइक की मांग पर सभी अहम दस्तावेज और केस डायरी सौंप दी है, एजेंसी दस्तावेजों का परीक्षण कर रही है।

बता दें 26 मई को दुर्ग पुलिस की SIT ने ग्राम अकलोरडीह स्थित एके ट्रेडर्स के गोदाम में छापा मारकर फ्लू डस्ट की आड़ में छिपाया गया करीब 250 टन बीएसपी का स्क्रैप – बिलेट, रेलपात, हैवी प्लेट, एंगल और दो हाइवा जब्त किए थे। मामले में बीएसपी अधिकारियों, ट्रांसपोर्टरों, कंपनी डायरेक्टरों और चालकों समेत 21 आरोपी गिरफ्तार हुए थे, पुलिस ने 900 पन्नों का चालान पेश किया था। गंभीरता को देखते हुए राज्य शासन की अनुशंसा पर जांच सीबीआई को दी गई है।

अब भी जारी है खेल - नया पैंतरा

पुलिस और CISF की सख्ती के बावजूद अवैध परिवहन नए तरीके से जारी है। सूत्रों के मुताबिक अब खाली गाड़ियों में 3 रुपए किलो वाली सस्ती राख (छाई) भरकर प्लांट में प्रवेश कराया जाता है, गेट पर राख सहित टेयर वेट दर्ज होता है, फिर लोडिंग पॉइंट से पहले राख खाली कर उतने ही वजन का कीमती स्क्रैप भरकर बाहर निकाल लिया जाता है।

CBI ने दस्तावेज मांगे थे, उपलब्ध करा दिए हैं। CBI टीम कभी भी भिलाई आ सकती है।
विजय अग्रवाल, SSP दुर्ग

जानकारी मिली है, सत्यापन के बाद नियमानुसार कार्रवाई होगी।
चंदन झा, DIG, CISF

1,193.46 करोड़ की ग्लोबल निविदा पर सवाल, 500 से अधिक स्थानीय छत्तीसगढ़िया ठेकेदारों के रोजगार पर संकट की आशंका

400 गाड़ियों के संचालन और लगातार 360 करोड़ टर्नओवर की शर्त पर संघ ने जताई आपत्ति, निविदा निरस्त करने की मांग, जरूरत पड़ने पर प्रदेशव्यापी बंद की चेतावनी



नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ पावर कंपनी वाहन मालिक कल्याण संघ ने छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (CSPDCL) द्वारा जारी 1,193.46 करोड़ की ग्लोबल निविदा क्रमांक 18/1867, 06 अक्टूबर 2026, पर गंभीर आपत्ति जताई है। संघ के अनुसार, निविदा की कठिन पात्रता शर्तों के कारण प्रदेश के 500 से अधिक स्थानीय ठेकेदार प्रतिस्पर्धा से बाहर हो सकते हैं, जिससे स्थानीय रोजगार और छोटे व्यवसायों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है।

प्रबंध निदेशक से मुलाकात, मुख्यमंत्री के समक्ष भी उठेगा मामला

संघ के प्रतिनिधियों ने उरढऊछ के डंगनिया कार्यालय में प्रबंध निदेशक से मुलाकात कर निविदा से जुड़ी समस्याओं और स्थानीय वाहन मालिकों की चिंताओं से अवगत कराया। संगठन ने निविदा निरस्त करने की मांग रखते हुए कहा कि वर्षों से विभागीय कार्य कर रहे स्थानीय ठेकेदारों को भी निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा का अवसर मिलना चाहिए। संघ ने इस मामले को मुख्यमंत्री के समक्ष रखने और उनसे मुलाकात कर स्थानीय ठेकेदारों के हितों की रक्षा की मांग करने की योजना भी बनाई है।

400 गाड़ियों और 360 करोड़ टर्नओवर की शर्त पर सवाल

संघ के अनुसार, एक साथ 400 गाड़ियों के संचालन का अनुभव तथा पिछले कई वित्तीय वर्षों में लगातार लगभग ?360 करोड़ का टर्नओवर होने जैसी शर्त छोटे और मध्यम स्तर के स्थानीय ठेकेदारों के लिए बड़ी बाधा बन सकती हैं।

संगठन का कहना है कि इन शर्तों के चलते प्रदेश के 500 से अधिक ठेकेदार निविदा की प्रतिस्पर्धा से बाहर हो सकते हैं, जबकि केवल कुछ बड़ी कंपनियां ही इसमें भाग लेने की स्थिति में रह जाएंगी। संघ को आशंका है कि निविदा की मौजूदा संरचना बाहरी बड़ी कंपनियों के लिए अधिक अनुकूल साबित हो सकती है। संघ ने संबंधित अधिकारियों से इन शर्तों की आवश्यकता और औचित्य की समीक्षा करने तथा स्थानीय ठेकेदारों के लिए व्यावहारिक एवं निष्पक्ष अवसर सुनिश्चित करने की मांग की है।

छत्तीसगढ़िया ठेकेदारों को बाहर कर बाहरी कंपनियों को प्राथमिकता क्यों?

संघ ने सवाल उठाया है कि प्रदेश में वर्षों से विभागीय सेवाएं दे रहे स्थानीय वाहन मालिकों को ऐसी शर्तों के दायरे में क्यों रखा जा रहा है, जिनसे उनके प्रतिस्पर्धा से बाहर होने की आशंका है। संगठन के अनुसार, छत्तीसगढ़ के स्थानीय व्यवसायियों को रोजगार से वंचित करने की स्थिति पैदा नहीं होनी चाहिए और निविदा प्रक्रिया में सभी योग्य ठेकेदारों को उचित अवसर मिलना चाहिए।

बैंक ऋण में फंसे वाहन मालिकों की रोजी-रोटी का सवाल

संघ ने कहा कि स्थानीय ठेकेदारों ने विभागीय कार्यों के लिए बैंक ऋण लेकर वाहन खरीदे हैं। उन्हें हर महीने किस्त, बीमा, रखरखाव और चालकों के वेतन का खर्च उठाना पड़ता है। नियमित काम नहीं मिलने पर उनके सामने ऋण चुकाने और परिवार का भरण-पोषण करने का संकट खड़ा हो सकता है। इसका असर केवल वाहन मालिकों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि चालकों और परिवहन व्यवसाय से जुड़े अन्य लोगों के रोजगार पर भी पड़ सकता है। संगठन ने इसे स्थानीय ठेकेदारों के परिवारों की आर्थिक सुरक्षा और भविष्य से जुड़ा गंभीर मामला बताया है।



नए टेंडरों को लेकर बढ़ी चिंता

संघ के अनुसार, ग्लोबल निविदा जारी होने के बाद स्थानीय ठेकेदारों में भविष्य के कार्यों और नए टेंडरों को लेकर अनिश्चितता बढ़ी है। वाहन मालिकों को चिंता है कि यदि इसी प्रकार की कठिन पात्रता शर्तें जारी रहीं, तो वे अपने वाहनों को काम पर लगाने और बैंक ऋण की किस्तें चुकाने में कठिनाई का सामना कर सकते हैं।

पहले एक दिवसीय बंद, फिर अनिश्चितकालीन आंदोलन

संघ ने स्पष्ट किया है कि वह बातचीत और उचित समाधान के माध्यम से समस्या का निराकरण चाहता है। हालांकि, मांग पर ठोस निर्णय नहीं होने की स्थिति में संगठन आंदोलन करने पर विचार करेगा।

प्रथम चरणः निर्धारित तिथि को एक दिवसीय वाहन एवं TMC/FOC कार्य बंद कर विरोध दर्ज कराया जाएगा।

द्वितीय चरणः मांग स्वीकार नहीं होने पर संगठन के निर्णयानुसार अनिश्चितकालीन वाहन एवं TMC/FOC कार्य बंद किया जा सकता है।

सक्षम अधिकारियों से तत्काल निर्णय की मांग

छत्तीसगढ़ पावर कंपनी वाहन मालिक कल्याण संघ ने CSPDCL प्रबंधन, राज्य सरकार और संबंधित अधिकारियों से निविदा क्रमांक 18/1867 की शर्तों की तत्काल समीक्षा कर उसे निरस्त करने की मांग की है। संगठन ने आग्रह किया है कि स्थानीय ठेकेदारों के हितों, रोजगार और आर्थिक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जल्द निर्णय लिया जाए। संघ का कहना है कि प्रदेश के विकास में स्थानीय उद्यमियों और वाहन मालिकों का भी महत्वपूर्ण योगदान है। उनकी आजीविका प्रभावित होने की आशंका को गंभीरता से लेते हुए तत्काल ग्लोबल टेन्डर निरस्त कर ऐसी व्यवस्था बनाई जानी चाहिए, जिसमें स्थानीय ठेकेदारों को भी निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा का अवसर मिले।

मप्र के आईपीएसअनुराग सुजानिया ने दिया इस्तीफा, पुलिस महकमे में हड़कंप

नई दृष्टिबिंदु / भोपाल

मध्यप्रदेश पुलिस महकमे से बड़ी खबर सामने आ रही है। मंदसौर के पूर्व एसपी और वर्तमान में सागर एसपी पद से हटाए गए IPS अधिकारी अनुराग सुजानिया ने नौकरी से इस्तीफा दे दिया है।

सूत्रों के अनुसार सुजानिया ने कल अपना इस्तीफा सौंपा है, जिसमें व्यक्तिगत कारणों का हवाला दिया गया है। इस्तीफे की खबर के बाद से IPS महकमे में हलचल तेज हो गई है। इधर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज शाम 6 बजे पुलिस मुख्यालय पहुंचेंगे। PHQ में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ उनकी महत्वपूर्ण बैठक होनी है, जिसके लिए सभी अधिकारियों को उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। अब सभी की नजरें सरकार द्वारा इस्तीफे पर लिए जाने वाले निर्णय पर टिकी हैं।



जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग का बाल संरक्षण की दिशा में एक प्रयास

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली तथा छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा संचालित सुरक्षित बचपन अभियान के अंतर्गत दुर्ग जिले के दुर्ग, पाटन, भिलाई-3 एवं धमधा क्षेत्रों में अधिक से अधिक विद्यालयों में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया जा रहा है। इन शिविरों का आयोजन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के अध्यक्ष के. विनोद कुजूर के मार्गदर्शन एवं सचिव उमेश कुमार भागवतकर के समन्वय से आयोजित इन कार्यक्रमों में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय के न्यायाधीशगण, पैनल अधिवक्ताओं, साइबर सेल के अधिकारियों, लॉ यूनिवर्सिटी के प्राध्यापकगण, विधि के विद्यार्थियों तथा पैरा लीगल वॉलंटियर्स द्वारा सहभागिता की जा रही है।

नुक्कड़ नाटक और ड्राइंग प्रतियोगिता से बच्चों को किया जागरूक

अभियान का उद्देश्य बच्चों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना, बाल शोषण एवं बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराइयों से सुरक्षा प्रदान करना तथा इंटरनेट की दुनिया में मौजूद खतरों के प्रति सतर्क बनाना है। इसके अंतर्गत जिले के प्रत्येक चयनित विद्यालय में छह निर्धारित विषयों में से एक विषय पर विस्तारपूर्वक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, ताकि विद्यार्थी एवं शिक्षक संबंधित विषय को बेहतर ढंग से समझ सकें।

अभियान के छह प्रमुख विषयों में शमेरा बचपन, मेरा अधिकार, कानून जानो, बचपन बचाओ, सुरक्षित क्लिक, सुरक्षित बचपन, बोलो, बताओ, बचाओ, ना बाल विवाह, ना बाल शोषण तथा जागरूक बचपन, सशक्त भारत शामिल हैं। इन विषयों के माध्यम से विद्यार्थियों को बाल अधिकारों, व्यक्तिगत सुरक्षा, अच्छे एवं बुरे स्पर्श की पहचान, सुरक्षित इंटरनेट उपयोग, साइबर अपराधों से



बचाव, बाल विवाह एवं बाल शोषण से संबंधित कानूनी प्रावधानों तथा शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया की जानकारी दी जा रही है। बच्चों को यह भी बताया जा रहा है कि किसी भी प्रकार की असुरक्षित परिस्थिति या अनुचित व्यवहार का सामना करने पर चुप रहने के बजाय अपने माता-पिता, शिक्षक अथवा संबंधित सक्षम अधिकारी से सहायता प्राप्त करना उनका अधिकार है।

अभियान के अंतर्गत स्वामी आत्मानंद हिंदी एवं अंग्रेजी माध्यम शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला मर्रा में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मैट्स यूनिवर्सिटी के डॉ. आई. नागमणी देशलहरे सहायक प्राध्यापक विधि विभाग मैट्स लॉ स्कूल रायपुर, उनके विधि विद्यार्थियों, विद्यालय के अध्यापकगण, विद्यार्थियों एवं स्टॉफ की सहभागिता रही। मैट्स यूनिवर्सिटी, रायपुर के विद्यार्थियों द्वारा बच्चों के लिए नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसे विद्यार्थियों ने बड़े ध्यानपूर्वक देखा। नाटक के माध्यम से बच्चों को उनके अधिकारों, व्यक्तिगत सुरक्षा एवं असुरक्षित परिस्थितियों की पहचान के संबंध में रोचक एवं सरल तरीके से जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त कुछ विद्यालयों में ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन कर विद्यार्थियों को सुरक्षित बचपन, बाल अधिकार एवं बाल संरक्षण जैसे विषयों पर अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति प्रस्तुत करने का अवसर दिया गया।

सुरक्षित बचपन अभियान का उद्देश्य केवल बच्चों को कानूनी जानकारी देना ही नहीं, बल्कि उनसे सीधे जुड़कर उनकी समस्याओं को समझना तथा आवश्यकता पड़ने पर उनकी बात सही व्यक्ति एवं सक्षम संस्था तक पहुंचाना भी है। इसके माध्यम से बच्चों में ऐसा विश्वास विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे वे बिना किसी भय या संकोच के अपनी समस्याएं साझा कर सकें और समय पर उचित सहायता प्राप्त कर सकें।

अभियान के माध्यम से यह संदेश दिया जा रहा है कि प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित, सम्मानजनक एवं भयमुक्त वातावरण में रहने का अधिकार है। बच्चों की सुरक्षा केवल परिवार या विद्यालय की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति का सामूहिक दायित्व है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा जिले के अधिकाधिक विद्यालयों तक पहुंचकर बच्चों को उनके अधिकारों एवं सुरक्षा के प्रति जागरूक करने का प्रयास निरंतर किया जा रहा है।

खास खबर

पंचायत सचिव से मारपीट और पंचायत भवन में तोड़फोड़, आरोपी गिरफ्तार



नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

थाना जामगांव आर क्षेत्र के ग्राम कुम्हली में पंचायत सचिव से मारपीट, जान से मारने की धमकी और पंचायत भवन में तोड़फोड़ करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

30 अक्टूबर को ग्राम पंचायत कुम्हली में सामान्य बैठक के दौरान लेनदेन की जानकारी मांगने पर आरोपी पंच मोगन सपहा (30) ने सचिव अरुण कुमार निर्मलकर के साथ गाली-गलौज और हाथ-मुक्कों से मारपीट की। साथ ही सरपंच-सचिव कक्ष के दरवाजे को लात मारकर और सबमर्सिबल मोटर पंप से तोड़फोड़ कर शासकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना जामगांव आर में अपराध क्रमांक 88/2026 दर्ज कर पुलिस ने 3 नवंबर को आरोपी को गिरफ्तार किया।

दुर्ग में ब्लैक स्पॉट पर यातायात पुलिस की सख्ती, सड़क हादसों में 27.52% की कमी



दुर्ग। दुर्ग यातायात पुलिस की ब्लैक स्पॉट और ग्रे स्पॉट पर विशेष निगरानी का असर दिखने लगा है। सड़क दुर्घटनाओं में मृतकों की संख्या में 27.52% की कमी दर्ज की गई है। पुलिस ने पिछले एक माह में 14,526 वाहन चालकों पर कार्रवाई की। इसमें बिना हेलमेट के 8,892, नो पार्किंग में 2,236, ट्रिपल राइडिंग पर 1,315, शराब पीकर वाहन चलाने पर 169 और तेज रफ्तार पर 346 चालकों पर कार्रवाई शामिल है। आंकड़ों के मुताबिक अक्टूबर 2025 में सड़क हादसों में 26 मौतें हुई थीं, जो अक्टूबर 2026 में घटकर 21 रह गईं। वहीं जनवरी से अक्टूबर 2025 तक 298 मौतों की तुलना में इस साल इसी अवधि में 216 मौतें हुई हैं।

भिलाई जिला कांग्रेस ने जिला निर्वाचन अधिकारी को लिखा पत्र, युवा मतदाताओं के EPIC नंबर जारी करने की मांग



दुर्ग। भिलाई जिला कांग्रेस कमेटी के सचिव अली हुसैन सिद्दीकी ने जिला निर्वाचन अधिकारी दुर्ग को पत्र लिखकर निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर प्राप्त ऑनलाइन आवेदनों पर EPIC नंबर जारी करने की मांग की है।

पत्र में कहा गया है कि 20 अक्टूबर 2026 के बाद भारत निर्वाचन और छत्तीसगढ़ निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर 1 अक्टूबर की स्थिति में 18 वर्ष पूर्ण करने वाले युवाओं द्वारा किए गए आवेदनों पर EPIC नंबर जारी नहीं हो रहा है। इससे उनका नाम नगर निगम चुनाव की मतदाता सूची में नहीं जुड़ पाएगा और हजारों युवा मताधिकार से वंचित हो जाएंगे। 21 अक्टूबर 2026 से अब तक प्राप्त आवेदनों पर EPIC नंबर जारी कर युवा मतदाताओं के नाम निगम चुनाव की मतदाता सूची में शामिल करने की मांग की गई है।

निधन

श्रीमती मीना नायक



भिलाई। प्लॉट नंबर 303,सड़क नंबर 2, स्मृति नगर निवासी श्रीमती मीना नायक धर्मपत्नी स्वर्गीय एस. सी. नायक का सेक्टर9 चिकित्सालय में निधन हो गया वे 80 साल की थी उनका अंतिम संस्कार रामनगर मुक्तिधाम में किया गया। वे श्रीमती श्रीमती कोमल नायक की सास, सपन नायक की मां, रोहित नायक, ऋषि नायक,वैभव नायक की दादी थी।

भरतमुनि के नाट्यशास्त्र के ऐतिहासिक संदर्भों पर खुली चर्चा से ही समाज को बनाया जा सकता है अधिक समावेशी : राजेश कुमार



मूलनिवासी कला साहित्य और फिल्म फेस्टिवल के तहत डॉ. अम्बेडकर सीनियर सेकेंडरी स्कूल, मरोदा (भिलाई) में आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने रखे विचार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

मूलनिवासी कला साहित्य और फिल्म फेस्टिवल, भिलाई के बैनर तले डॉ. अम्बेडकर सीनियर सेकेंडरी स्कूल, स्टेशन मरोदा में एक महत्वपूर्ण वैचारिक एवं सांस्कृतिक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्राचीन भारतीय ग्रंथों, कला और संस्कृति में निहित ऐतिहासिक और सामाजिक पहलुओं पर खुलकर संवाद करना था। इस विशेष अवसर पर प्रसिद्ध नाटककार एवं प्रख्यात नाट्यकर्मी राजेश कुमार ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि भरतमुनि का नाट्यशास्त्र—जिसे भारतीय परंपरा में 'पाँचवाँ वेद' माना जाता है—और प्राचीन स्मृतियों के अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि उस कालखंड की सामाजिक-सांस्कृतिक व्यवस्था में किस प्रकार की मान्यताएं प्रचलित थीं।

उन्होंने कहा कि तत्कालीन भारतीय समाज में व्याप्त सामाजिक सांस्कृतिक जातिवादी भेदभाव वाले बहुत से श्लोक हैं। यह कहना गलत नहीं होगा कि नाट्य शास्त्र और मनुस्मृति के लेखन का समय लगभग एक ही समय का है। जहां एक ओर मनुस्मृति ने समाज में क्रमिक ऊंच नीच के जातिगत अवधारणा को कानूनी दर्जा देकर सामाजिक वर्ण विभाजन को पुख्ता करने का काम किया वहीं नाट्य शास्त्र ने इसी भेदभाव को सांस्कृतिक रूप से मजबूत किया।

उन्होंने प्राचीन ग्रंथों के ऐतिहासिक विश्लेषण पर जोर देते हुए कहा कि रंगमंच और कला के क्षेत्र में इन पहलुओं की सही समझ विकसित करके ही आज के समय में अधिक समावेशी और समतामूलक समाज का निर्माण किया जा सकता है। उन्होंने रंगमंच से जुड़े कलाकारों और प्रगतिशील नागरिकों से अपील की कि वे कला के माध्यम से समाज में जागरूकता फैलाने और मानवीय मूल्यों को मजबूत करने के लिए निरंतर सकारात्मक प्रयास करते रहें।

कार्यक्रम की अध्यक्षता मूलनिवासी कला साहित्य और फिल्म फेस्टिवल, भिलाई के अध्यक्ष और भिलाई स्टील प्लांट के रिटायर सीजीएम एल. उमाकांत ने की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि इस तरह के सांस्कृतिक आयोजनों से समाज को जोड़ने, वैचारिक संवाद को बढ़ावा देने और कला के माध्यम से सकारात्मक संदेश प्रसारित करने में बड़ी मदद मिलती है।

इस वैचारिक गोष्ठी और सांस्कृतिक सत्र में छत्तीसगढ़ और देश के विभिन्न हिस्सों से आए कई प्रतिष्ठित रंगकर्मी, साहित्यकार, कलाकार और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस गरिमामयी उपस्थिति में इप्टा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं प्रसिद्ध रंगकर्मी राजेश श्रीवास्तव, इप्टा छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष मणिमय मुखर्जी, शायर मुमताज, नाट्य निर्देशक राकेश बंबार्डे, पंकज मेश्राम, मुहम्मद जाकिर हुसैन, प्रसिद्ध कवि तथा स्क्रिप्ट राइटर लक्ष्मी नारायण कुम्भकार 'सचेत', गिल्बर्ट जोसफ अल्बर्ट, भारतीय बौद्ध महासभा भिलाई के पूर्व अध्यक्ष पी जे अंबुरकर, नाटककार विजय शर्मा, रंगकर्मी सुरेश गोंडाले तथा सुलक्ष्मी गोंडाले शामिल रहे।

इसके अलावा जन नाट्य मंच से जुड़े कलाकार वासुदेव, जी.डी. राउत, लखन सांगोड़े और रामकेश के साथ-साथ कवि राजन मेश्राम, इंजीनियर मोहन नागदेवे, आशा ताई जुल्मे, जे.पी. धोटे, सुजाता रामटेके, संगीता धोटे, रानू सांगोड़े, माधुरी बरडे, के.पी. बरडे एवं पी.पी. वर्मा भी उपस्थित रहे। साथ ही, डॉ. अम्बेडकर ऑफिसर्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं बीएसपी सेल के जीएम कमल टंडन और पूर्व अपर कलेक्टर विश्वास मेश्राम की भी विशेष रूप से सहभागिता रही। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. अम्बेडकर ऑफिसर्स वेलफेयर एसोसिएशन के एस.पी. निगम ने किया। इस अवसर पर सांस्कृतिक और वैचारिक माहौल को जीवंत बनाते हुए अशोक ढवले, मुरली भाई और पुनाराम कांबले ने प्रेरणादायी भीम गीत प्रस्तुत किए, जिन्हें उपस्थित श्रोताओं ने काफी सराहा।

नियमित कर्मचारियों को 1 करोड़ का बीमा, पेंशनरों को भी मिले समान सुरक्षा तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ की मांग

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग



नियमित कर्मचारियों की तरह पेंशनरों को भी रुकसे एक करोड़ रुपये का दुर्घटना बीमा मिले, इसको लेकर छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ जिला शाखा दुर्ग ने कलेक्टर के माध्यम से वित्त विभाग और रुकके मुख्य महाप्रबंधक को ज्ञापन सौंपा है।

जिलाध्यक्ष भानु प्रताप यादव ने बताया कि शासन और रुकके बीच 22 दिसंबर 2025 को State Government Salary Package MoU हुआ है, जिसके तहत नियमित कर्मचारियों को 1 करोड़ तक दुर्घटना बीमा, 1.60 करोड़ वायु दुर्घटना बीमा और 10 लाख समूह टर्म लाइफ इंश्योरेंस मिल रहा है। लेकिन कई कर्मचारियों को पता ही नहीं कि उनका खाता इस पैकेज में है या नहीं। संघ ने 13 बिंदुओं पर जानकारी और मांग रखी है, जिसमें टङ्कव की प्रति, बीमा की पात्रता, क्लेम प्रक्रिया और सबसे अहम - पेंशनरों के लिए भी Comprehensive Pension Package लागू कर 1 करोड़ का बीमा कवर देने की मांग शामिल है।

दीपावली पर पटाखा दुकानों की सुरक्षा को लेकर प्रशासन-सख्त व्यापारियों को दिए दिशा-निर्देश



नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दीपावली पर्व के मद्देनजर पटाखा दुकानों के सुरक्षित संचालन और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दुर्ग कलेक्ट्रेट सभागार में जिला प्रशासन एवं पुलिस की संयुक्त बैठक हुई।

एसडीएम प्रफुल्ल गुप्ता, एएसपी शहर शोभराज अग्रवाल, सीएसपी देवांश सिंह राठौर सहित अधिकारियों ने व्यापारियों को अग्नि सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन और यातायात व्यवस्था के निर्देश दिए।

दीपावली और छठ पर्व को देखते हुए भिलाई में प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त करने में जुटा निगम



नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा आगामी दीपावली एवं छठ पर्व को दृष्टिगत रखते हुए शहर की प्रकाश व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। पर्व के दौरान नागरिकों को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो और शहर के प्रमुख मार्गों एवं सार्वजनिक स्थलों पर पर्याप्त रोशनी उपलब्ध रहे, इसके लिए निगम द्वारा विशेष प्रयास किए जा रहे हैं।

निगम क्षेत्र के अंतर्गत सड़कों, बाजारों एवं प्रमुख चौक-चौराहों पर पूर्व से लगे बंद एवं खराब स्ट्रीट लाइटों को बदलकर नए लाइट लगाए जा रहे हैं। इसके साथ ही जिन स्थानों पर प्रकाश व्यवस्था की आवश्यकता है, उनका चिन्हांकन कर वहां भी नए लाइट लगाने की कार्रवाई की जा रही है। त्योहारी सीजन को देखते हुए निगम का प्रयास है कि शहर के सभी प्रमुख मार्गों, बाजारों एवं आवागमन वाले क्षेत्रों में पर्याप्त रोशनी रहे। इससे दीपावली एवं छठ पर्व के दौरान देर रात तक आने-जाने वाले नागरिकों, व्यापारियों एवं श्रद्धालुओं को सुविधा मिलेगी। साथ ही अंधेरे वाले स्थानों पर रोशनी होने से नागरिकों की सुरक्षा एवं आवागमन भी बेहतर होगा। नगर निगम द्वारा शहर की प्रकाश व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए आवश्यकतानुसार लाइट लगाने एवं खराब लाइटों को बदलने का कार्य लगातार जारी रखा जाएगा।

इस दीपावली स्वदेशी उत्पादों से रोशन करें घर-आंगन - मंत्री गजेन्द्र यादव

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

ग्रामोद्योग मंत्री गजेन्द्र यादव ने प्रदेशवासियों से इस दीपावली स्वदेशी दिवाली मनाने और स्थानीय बाजारों से खरीदारी कर छत्तीसगढ़ के कारीगरों, शिल्पकारों एवं छोटे व्यापारियों को प्रोत्साहित करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि दीपावली खुशियों, उमंग और उत्साह का पर्व है। यह त्योहार केवल घरों को रोशन करने का ही नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग के जीवन में खुशियों का उजाला लाने का अवसर भी है।

कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि दीपावली की खरीदारी करते समय विदेशी उत्पादों के स्थान पर स्थानीय कारीगरों, शिल्पकारों, महिला स्व-सहायता समूहों एवं लघु उद्यमियों द्वारा तैयार किए गए स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता दें। मिट्टी के दीये, हस्तनिर्मित सजावटी सामग्री, पारंपरिक कलाकृतियां, खादी वस्त्र एवं ग्रामोद्योग के उत्पाद खरीदकर स्थानीय हुनर, परंपरा और मेहनत को सम्मान दें।



उन्होंने कहा कि स्थानीय बाजार किसी भी शहर और प्रदेश की अर्थव्यवस्था की मजबूत आधारशिला होते हैं। जब हम अपने शहर के बाजारों से खरीदारी करते हैं, तो इसका सीधा लाभ स्थानीय दुकानदारों, छोटे व्यापारियों, फुटकर विक्रेताओं, कारीगरों और उनके परिवारों तक पहुंचता है। त्योहारों के दौरान स्थानीय बाजारों में होने वाली खरीदारी से व्यापारिक गतिविधियों को गति मिलती है, रोजगार के अवसर बढ़ते हैं और स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत होती है। इसलिए हमारी छोटी-सी खरीदारी भी किसी कारीगर के घर में खुशियां ला सकती है और किसी छोटे व्यापारी के व्यवसाय को नई ऊर्जा दे सकती है।

ग्रामोद्योग मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि छत्तीसगढ़ की अपनी समृद्ध कला, संस्कृति और हस्तशिल्प की पहचान है। हमारे कुम्हार, बुनकर, शिल्पकार और ग्रामोद्योग से जुड़े मेहनतकश परिवार पीढ़ियों से अपने हुनर के माध्यम से सुंदर एवं उपयोगी उत्पाद तैयार कर रहे हैं। हमें उनके उत्पादों को प्रोत्साहन देकर स्थानीय कला और पारंपरिक व्यवसायों को आगे बढ़ाना चाहिए। स्थानीय उत्पादों की मांग बढ़ने से कारीगरों को बेहतर बाजार मिलेगा और नई पीढ़ी भी पारंपरिक हुनर एवं स्वरोजगार से जुड़ने के लिए प्रेरित होगी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वोकल फॉर लोकल और स्वदेशी अपनाने के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में स्थानीय उत्पादों, खादी और ग्रामोद्योग को प्रोत्साहित करने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। मंत्री श्री यादव ने प्रदेशवासियों से आग्रह किया कि इस दीपावली अपने घर की सजावट से लेकर उपहार देने तक स्वदेशी और स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता दें। अपने शहर के बाजारों में जाएं, स्थानीय दुकानदारों से खरीदारी करें और कारीगरों के बनाए उत्पादों को अपनाएं।

डॉ. उदय के विदाई समारोह में दिखा सादगी और मानवीय संवेदना का भावुक पल

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (मेडिकल प्रमुख) डॉ. उदय कुमार का सेवानिवृत्ति समारोह जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र, सेक्टर-9 में 31 अक्टूबर शनिवार को आयोजित किया गया।

इस विदाई समारोह के दौरान एक ऐसा मार्मिक और सहज दृश्य देखने को मिला। समारोह के सिलसिले में जब बग्घी पर सवार होकर अभिवादन स्वीकार करने का दौर चल रहा था, तब एक बुजुर्ग महिला हाथों में हार लिए उनके समीप आने का प्रयास कर रही थीं। बढ़ती उम्र के कारण असहज महसूस कर रही उस महिला को देखकर डॉ. उदय कुमार ने तुरंत बग्घी रुकवाई। जब बुजुर्ग महिला की शारीरिक स्थिति के चलते उनके हाथ हार पहनाने के लिए ऊपर नहीं पहुँच पाए, तो उन्होंने स्वयं आगे बढ़कर उनके हाथों को आत्मीयता से थामा। इस सादगी और विनम्रता से जुड़े इस प्रसंग ने वहाँ मौजूद लोगों को भावुक कर दिया।



इस पूरे घटनाक्रम और विदाई समारोह के माहौल को रेखांकित करते हुए छत्तीसगढ़ से प्रथम बोर्ड मेंबर एवं ललित कला अकादमी (नई दिल्ली, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार) के सदस्य डॉ. अंकुश देवांगन ने अपनी लघुकथा कृतज्ञता के माध्यम से इस प्रसंग का उल्लेख किया। देवांगन ने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र में लंबी सेवा के दौरान इस तरह के मानवीय अनुभव और आम जनता के साथ सहज जुड़ाव ही किसी भी आयोजन को स्मरणीय बनाते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित अन्य लोगों ने भी डॉ. उदय कुमार के कार्यकाल और उनके सेवा कार्यों को याद किया।

राज्योत्सव : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 36 विभूतियों व संस्थाओं को राज्य अलंकरण से किया सम्मानित

साहित्य, कला, संस्कृति, पत्रकारिता, खेल, कृषि, समाजसेवा, महिला सशक्तिकरण और जनजातीय उत्थान सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान का हुआ सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर



केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नवा रायपुर में आयोजित छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026 के समापन समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली विभूतियों एवं संस्थाओं को प्रतिष्ठित राज्य अलंकरण पुरस्कारों से सम्मानित किया। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की 26वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित इस समारोह में साहित्य, कला, संस्कृति, पत्रकारिता, खेल, कृषि, समाजसेवा, जनजातीय उत्थान, महिला सशक्तिकरण, सहकारिता, श्रम, शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं को सम्मान प्रदान किया गया।

राज्य अलंकरण से सम्मानित विभूतियों और संस्थाओं का विवरण

शहीद वीरनारायण सिंह स्मृति सम्मान आदिवासी सामाजिक चेतना तथा उनके उत्थान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए धमतरी जिले के डुमन लाल ध्रुव को प्रदान किया गया। यति यतनलाल सम्मान अहिंसा एवं गोरक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए दुर्ग जिले के विश्व गीता धेनु गोविन्द पक्षी सेवा धाम, कुम्हारी को प्रदान किया गया। गुण्डाधुर सम्मान खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए कोरबा जिले की सुश्री संजू देवी को प्रदान किया गया। मिनीमाता सम्मान महिला उत्थान एवं जनजागृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए लोक आस्था सेवा संस्थान, गरियाबंद (सुश्री लता नेताम) को प्रदान किया गया। गुरु घासीदास सामाजिक चेतना एवं अनुसूचित जाति उत्थान सम्मान सामाजिक चेतना एवं दलित उत्थान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए कबीरधाम जिले के सुखचंद भास्कर को प्रदान किया गया।

ठाकुर प्यारेलाल सिंह पुरस्कार सहकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए बस्तर जिले की प्राथमिक कुडुक मछुवा सहकारी समिति मर्यादित, चित्रकोट (धनसिंह बघेल) को प्रदान किया गया।

हबीब तनवीर सम्मान समकालीन रंगकर्म, छत्तीसगढ़ी, हिन्दी एवं अन्य भाषा नाटकों के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए रायपुर जिले के डॉ. पुरुषोत्तम चन्द्राकर को प्रदान किया गया। महाराजा प्रवीरचंद भंजदेव सम्मान खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन, विशेष रूप से तीरंदाजी के लिए बालोद जिले के टोमन कुमार को प्रदान किया गया।

पंडित रविशंकर शुक्ल सम्मान सामाजिक, शैक्षणिक एवं आर्थिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए बिलासपुर जिले के तेजस्विनी सेवा प्रतिष्ठान, नेहरू नगर को प्रदान किया गया। पं. सुन्दरलाल शर्मा सम्मान हिन्दी साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए रायगढ़ जिले के डॉ. बिहारीलाल साहू को प्रदान किया गया। चक्रधर सम्मान शास्त्रीय संगीत एवं नृत्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए रायपुर जिले के डॉ. एम. श्रीराम मूर्ति को प्रदान किया गया।

दाऊ मंदराजी सम्मान लोक नाट्य एवं लोक शिल्प के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए रायपुर जिले की श्रीमती रेखा जलक्षत्री को प्रदान किया गया। डॉ. खूबचंद बघेल कृषक रत्न पुरस्कार कृषि के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए कबीरधाम जिले के पुन्नीदास भट्ट को प्रदान किया गया। महाराजा अग्रसेन सम्मान सामाजिक समरसता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए रायगढ़ जिले के बाबूलाल अग्रवाल को प्रदान किया गया। चन्दूलाल चन्द्राकर स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार हिन्दी प्रिंट मीडिया के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए रायपुर जिले के प्रमोद कुमार साहू को प्रदान किया गया। चन्दूलाल चन्द्राकर स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार हिन्दी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए रायपुर जिले के बरुण सखाजी एवं सुश्री रसिका पांडेय को संयुक्त रूप से प्रदान किया गया।

मधुकर खेर स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार अंग्रेजी प्रिंट मीडिया के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए रायपुर जिले के शिशिर रॉय चौधरी को प्रदान किया गया। धन्वन्तरि सम्मान आयुर्वेद चिकित्सा शिक्षा तथा शोध एवं अनुसंधान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए धमतरी जिले के डॉ. दिनेश कुमार नाग को प्रदान किया गया। श्रीमती बिलासादेवी केंवट मत्स्य विकास पुरस्कार मछली पालन के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए बालोद जिले के प्रदीप कुमार सोनी को प्रदान किया गया। राजेश्री महंत वैष्णवदास जी महाराज संस्कृत भाषा पुरस्कार संस्कृत भाषा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए रायपुर जिले के डॉ. बहुरन सिंह पटेल को प्रदान किया गया। डॉ. भंवरसिंह पोर्ते आदिवासी सेवा पुरस्कार आदिवासियों की सेवा और आर्थिक उत्थान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए श्री सत्य साई संजीवनी अस्पताल, नवा रायपुर (सी. श्रीनिवास यंगम) को प्रदान किया गया।

स्व. रामानुज प्रताप सिंहदेव स्मृति श्रम यशस्वी पुरस्कार श्रम के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए बलौदाबाजार जिले के अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड, यूनिट ककुरडीह, सीमेंट वर्क्स, सरकीपार को प्रदान किया गया। पंडित लखनलाल मिश्र सम्मान अपराध अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए रायपुर जिले के सुरेश कुमार ध्रुव, उप पुलिस अधीक्षक को प्रदान किया गया।

छत्तीसगढ़ अप्रवासी भारतीय सम्मान देश के बाहर अप्रवासी भारतीयों द्वारा सामाजिक कल्याण, साहित्य, मानव संसाधन, निकाय अथवा आर्थिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए दंतेवाड़ा जिले की श्रीमती दीपाली सरावगी को प्रदान किया गया।

किशोर साहू सम्मान हिन्दी एवं छत्तीसगढ़ी सिनेमा में रचनात्मक लेखन, निर्देशन, अभिनय, पटकथा एवं निर्माण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए रायपुर जिले के सैयद ताहिर अली (करन खान) को प्रदान किया गया। लक्ष्मण मस्तुरिया सम्मान छत्तीसगढ़ी लोकगीत के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए दुर्ग जिले की श्रीमती साधना यादव को प्रदान किया गया। देवदास बंजारे स्मृति पंथी नृत्य पुरस्कार पंथी नृत्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए आरंग, रायपुर जिले के सीएल राजे को प्रदान किया गया। खुमान साव सम्मान छत्तीसगढ़ी लोक संगीत के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए रायपुर जिले के चंद्रभूषण वर्मा को प्रदान किया गया।

लाला जगदलपुरी साहित्य पुरस्कार आंचलिक साहित्य एवं लोक कविता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए दुर्ग जिले के दुर्गा प्रसाद पारकार को प्रदान किया गया। किशोर साहू राष्ट्रीय अलंकरण हिन्दी एवं छत्तीसगढ़ी सिनेमा में निर्देशन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए रायपुर जिले के मोहन सुंदरानी को प्रदान किया गया। बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल सम्मान विधि के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए मयूर विहार, दिल्ली के कौस्तुभ शुक्ला एवं रायपुर जिले के हेमन्त कुमार मिश्र को संयुक्त रूप से प्रदान किया गया।

माता बहादुर कलारिन सम्मान महिलाओं के उत्पीड़न के खिलाफ संघर्ष एवं नारी उत्थान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए कांकेर जिले की श्रीमती बुलबुल बैदया को प्रदान किया गया। पंडित माधव राव सप्रे राष्ट्रीय रचनात्मकता सम्मान रचनात्मक लेखन और हिन्दी भाषा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक अनंत विजय को प्रदान किया गया। डॉ. तीजन बाई सम्मान पंडवानी कला के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए पाहंदा, दुर्ग जिले के चेतन लाल देवांगन को प्रदान किया गया। चेंदरू राज्य ग्रामीण पर्यटन पुरस्कार ग्रामीण पर्यटन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए कबीरधाम जिले के सत्येन्द्र कुमार उपाध्याय 'सन्नी' को प्रदान किया गया।

संत रविदास सम्मान सामाजिक समरसता तथा साहित्य एवं काव्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए बालोद जिले के जगदीश प्रसाद देशमुख को प्रदान किया गया। राज्य अलंकरण समारोह छत्तीसगढ़ की प्रतिभाओं, सामाजिक संस्थाओं और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तित्वों के सम्मान का महत्वपूर्ण अवसर बना। इन पुरस्कारों के माध्यम से राज्य की लोककला, संस्कृति, साहित्य, सामाजिक समरसता, जनजातीय परंपराओं और जनसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान को प्रतिष्ठित पहचान मिली। छत्तीसगढ़ राज्योत्सव के समापन अवसर पर आयोजित राज्य अलंकरण समारोह ने प्रदेश की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के साथ ही नई पीढ़ी को समाज और राज्य के विकास में रचनात्मक योगदान देने की प्रेरणा दी।

खास खबर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नवा रायपुर में किया विकसित भारत संकल्प पार्क का लोकार्पण



नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नवा रायपुर अटल नगर के सेक्टर-16 में विकसित भारत संकल्प पार्क का लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा उपस्थित थे। केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने पार्क परिसर में पीपल का पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य का संदेश भी दिया।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को चिरस्थायी बनाने और भावी पीढ़ियों तक राष्ट्र निर्माण का संदेश पहुंचाने के उद्देश्य से विकसित भारत संकल्प पार्क का निर्माण किया गया है। यह पार्क विकसित, आत्मनिर्भर और समृद्ध भारत की परिकल्पना का प्रतीक होने के साथ ही पर्यावरण संरक्षण के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी का संदेश भी देगा। नवा रायपुर को हरित, स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल आधुनिक शहर के रूप में विकसित करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल है। लगभग 16 एकड़ क्षेत्र में विकसित इस पार्क में अब तक 2,500 से अधिक पीपल और 500 से अधिक स्थानीय प्रजातियों के पौधे लगाए गए हैं। यह पार्क नवा रायपुर को पीपल सिटी के रूप में नई पहचान दिलाने के साथ ही शहर की हरियाली और पर्यावरणीय संतुलन को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस अवसर पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी, वन मंत्री केदार कश्यप तथा कौशल विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित थे।

People for Peepal अभियान से पर्यावरण संरक्षण में बढ़ेगी जनभागीदारी

नवा रायपुर को हरित और पर्यावरण अनुकूल शहर के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से 'People for Peepal' अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य केवल पौधरोपण करना नहीं, बल्कि नागरिकों को पौधों के संरक्षण, संवर्धन और नियमित देखभाल से जोड़कर पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देना है।

इसी पहल के अंतर्गत विकसित भारत संकल्प पार्क को पर्यावरण संरक्षण, जनभागीदारी और सतत विकास के केंद्र के रूप में विकसित किया गया है। भारतीय संस्कृति में पीपल के वृक्ष का विशेष आध्यात्मिक और पर्यावरणीय महत्व है। इस अभियान के माध्यम से पीपल के प्रति जनआस्था को प्रकृति संरक्षण और सामुदायिक सहभागिता से जोड़ा जा रहा है। विकसित भारत संकल्प पार्क आधुनिक शहरी विकास और प्रकृति के बीच संतुलन का उदाहरण प्रस्तुत करेगा। यह पहल आने वाली पीढ़ियों को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाने के साथ ही विकसित भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित करेगी।

आधुनिक तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की ओर तेजी से बढ़ रहा भारत : केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी

एनआईटी रायपुर में सात अत्याधुनिक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का केंद्रीय मंत्री रेड्डी ने किया उद्घाटन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर



आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से लेकर अंतरिक्ष अनुसंधान, महत्वपूर्ण खनिज और जनजातीय स्वास्थ्य तक अनुसंधान को मिलेगी नई दिशा

छत्तीसगढ़ की युवा प्रतिभाओं को मिलेगा विश्वस्तरीय अनुसंधान और नवाचार का मंच, उच्च शिक्षा, उद्योग और अनुसंधान संस्थानों के बीच मजबूत होगी साझेदारी

केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर में सात अत्याधुनिक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का उद्घाटन किया। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, महत्वपूर्ण खनिज, अंतरिक्ष अनुसंधान, एयरोस्पेस तकनीक, ग्रामीण एवं जनजातीय स्वास्थ्य, कंप्यूटेशनल मैकेनिक्स तथा नैनोसाइंस और सतत ऊर्जा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में स्थापित ये केंद्र छत्तीसगढ़ को वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीकी नवाचार और उद्यमिता के नए केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, आधुनिक तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अपनी सशक्त पहचान स्थापित कर रहा है। देश में अनुसंधान, तकनीकी विकास और नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की निर्णायक भूमिका होगी तथा देश की युवा प्रतिभाएं इस परिवर्तन की सबसे बड़ी शक्ति बनेंगी।

केंद्रीय मंत्री श्री रेड्डी ने कहा कि आज दुनिया तेजी से तकनीकी परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केवल भविष्य की तकनीक नहीं, बल्कि वर्तमान में शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, कृषि, प्रशासन और अर्थव्यवस्था में व्यापक परिवर्तन लाने का सशक्त माध्यम बन चुकी है। ऐसे समय में युवाओं को नई तकनीकों से जोड़ना, उन्हें विश्वस्तरीय अनुसंधान सुविधाएं उपलब्ध कराना और नवाचार के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करना अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में अनुसंधान और नवाचार की नई संस्कृति विकसित हो रही है। भारत अब केवल आधुनिक तकनीकों का उपयोग करने वाला देश नहीं, बल्कि नई तकनीकों और अनुसंधान आधारित समाधानों के विकास में अग्रणी भूमिका निभाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। एनआईटी रायपुर में सात सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना इसी व्यापक राष्ट्रीय संकल्प का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

श्री रेड्डी ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संसाधनों, समृद्ध खनिज संपदा और प्रतिभाशाली युवाओं का प्रदेश है। यहां वैज्ञानिक अनुसंधान और अत्याधुनिक तकनीकों के विस्तार की अपार संभावनाएं हैं। केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से छत्तीसगढ़ को आधुनिक तकनीक, अनुसंधान और नवाचार के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने विशेष रूप से महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में अनुसंधान की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि आधुनिक उद्योगों, स्वच्छ ऊर्जा, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और उन्नत प्रौद्योगिकियों के विकास में महत्वपूर्ण खनिजों की भूमिका लगातार बढ़ रही है। इस क्षेत्र में अनुसंधान, नई तकनीकों के विकास और संसाधनों के वैज्ञानिक उपयोग से देश की तकनीकी एवं आर्थिक आत्मनिर्भरता को मजबूती मिलेगी।

केंद्रीय मंत्री श्री रेड्डी ने कहा कि एनआईटी रायपुर में स्थापित ये केंद्र केवल अनुसंधान प्रयोगशालाएं नहीं, बल्कि भविष्य की संभावनाओं को साकार करने वाले नवाचार केंद्र बनेंगे। इनके माध्यम से विद्यार्थियों, शोधार्थियों, वैज्ञानिकों और उद्योग जगत को एक साझा मंच मिलेगा। उच्च शिक्षण संस्थानों और उद्योगों के बीच सहयोग बढ़ने से अनुसंधान आधारित तकनीकों के विकास, व्यावहारिक समस्याओं के समाधान और नए स्टार्टअप की स्थापना को प्रोत्साहन मिलेगा।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण एवं जनजातीय स्वास्थ्य के क्षेत्र में नवाचार छत्तीसगढ़ जैसे प्रदेश के लिए विशेष महत्व रखता है। आधुनिक तकनीक और अनुसंधान आधारित समाधान दूरस्थ अंचलों तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने में सहायक हो सकते हैं। इसी प्रकार अंतरिक्ष विज्ञान, एयरोस्पेस, नैनोसाइंस और सतत ऊर्जा के क्षेत्रों में अनुसंधान से प्रदेश के युवाओं को भविष्य की तकनीकों में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के नए अवसर प्राप्त होंगे।

श्री रेड्डी ने विश्वास व्यक्त किया कि एनआईटी रायपुर के ये सात सेंटर ऑफ एक्सीलेंस आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ के तकनीकी और औद्योगिक विकास को नई गति देंगे। यहां विकसित होने वाली तकनीकें और अनुसंधान आधारित समाधान न केवल प्रदेश, बल्कि देश के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देंगे। उन्होंने विद्यार्थियों और युवा शोधार्थियों से नवाचार, वैज्ञानिक सोच और उद्यमिता को अपनाते हुए विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

इन सात सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का हुआ उद्घाटन

केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी द्वारा एनआईटी रायपुर में जिन सात अत्याधुनिक अनुसंधान केंद्रों का उद्घाटन किया गया, उनमें एमईआईटीवाई इंडिया एआई छत्तीसगढ़ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ऑन क्रिटिकल मिनरल्स, सेंटर ऑफ स्पेस एंड इंटरप्लेनेटरी एक्सप्लोरेशन, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर एयरोस्पेस एंड ऑटोनॉमस टेक्नोलॉजीज, मैराल सेंटर फॉर इनोवेशन इन रूरल एंड ट्राइबल हेल्थ, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन कंप्यूटेशनल मैकेनिक्स तथा सेंटर फॉर नैनोसाइंस एंड सस्टेनेबल एनर्जी टेक्नोलॉजीज शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ में अनुसंधान और नवाचार के नए युग की शुरूआत

एनआईटी रायपुर में इन सात सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना से प्रदेश में तकनीकी शिक्षा, वैज्ञानिक अनुसंधान और उद्योग आधारित नवाचार को नया विस्तार मिलेगा। इन केंद्रों के माध्यम से अत्याधुनिक तकनीकों पर शोध, कौशल विकास, उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप समाधान तथा स्टार्टअप और उद्यमिता की संभावनाओं को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही प्रदेश के युवाओं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की अनुसंधान गतिविधियों से जुड़ने के बेहतर अवसर प्राप्त होंगे।

इस अवसर पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, सीएसआईआर की महानिदेशक डॉ. नल्लाथी कलाइसेल्वी, चेयरपर्सन डॉ. सुरेश हावरे, एनआईटी रायपुर के निदेशक डॉ. एन. वी. रमन्ना राव सहित विभिन्न संस्थानों के अधिकारी-कर्मचारी, स्टार्टअप संस्थाओं के प्रतिनिधि, शोधार्थी तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

शैक्षणिक भ्रमण शैक्षणिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने उच्च शिक्षा, नवाचार और प्रदेश की उपलब्धियों को करीब से जाना

राज्योत्सव : पत्रकारिता विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने देखी छग की विकास यात्रा व सांस्कृतिक विरासत

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर



छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026 के अवसर पर नवा रायपुर में आयोजित प्रदर्शनी में कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने शैक्षणिक भ्रमण कर प्रदेश की विकास यात्रा, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और विभिन्न क्षेत्रों में हासिल उपलब्धियों की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान विद्यार्थियों ने उच्च शिक्षा विभाग सहित विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए प्रदर्शनी स्टॉलों का अवलोकन किया और शासन की योजनाओं, शैक्षणिक नवाचारों तथा आधुनिक तकनीक आधारित सुविधाओं के बारे में जाना।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) मनोज दयाल ने उच्च शिक्षा विभाग की प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए प्रदेश में उच्च शिक्षा के विस्तार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था, शैक्षणिक नवाचारों तथा विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों की उपलब्धियों की जानकारी ली। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रदर्शनी में उपलब्ध जानकारियों का अध्ययन करने और उन्हें अपने शैक्षणिक एवं व्यावसायिक जीवन से जोड़ने के लिए प्रेरित किया।

कुलपति प्रो. दयाल ने कहा कि राज्योत्सव केवल उत्सव और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा, सांस्कृतिक पहचान और उपलब्धियों को समझने का महत्वपूर्ण अवसर भी है। यहां विद्यार्थियों को समाज, संस्कृति, प्रशासन, विकास और जनसंचार के विभिन्न आयामों को प्रत्यक्ष रूप से जानने और समझने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता के विद्यार्थियों के लिए ऐसे आयोजन विशेष रूप से उपयोगी हैं, क्योंकि इससे उनकी अवलोकन क्षमता, विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण और रचनात्मक अभिव्यक्ति को नई दिशा मिलती है। उन्होंने विद्यार्थियों से शैक्षणिक भ्रमण के अनुभवों को अपने अध्ययन, शोध और रचनात्मक पत्रकारिता से जोड़ने का आह्वान किया।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव सुनील कुमार शर्मा ने कहा कि शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान के साथ व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने का अवसर प्रदान करता है। इससे उनका ज्ञान, दृष्टिकोण और व्यावसायिक समझ व्यापक होती है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को प्रदेश की सामाजिक, सांस्कृतिक और विकासात्मक गतिविधियों से परिचित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर उच्च शिक्षा विभाग के नोडल अधिकारी डॉ. तपेश चंद्र गुप्ता ने कुलपति प्रो. (डॉ.) मनोज दयाल का स्वागत किया तथा प्रदर्शनी में उच्च शिक्षा से संबंधित गतिविधियों और उपलब्धियों की जानकारी दी। शैक्षणिक भ्रमण के दौरान श्रीमती लीली दयाल, विभागाध्यक्ष डॉ. नृपेंद्र कुमार शर्मा, अतिथि शिक्षक डॉ. कपिल देव प्रजापति, डॉ. अनिल कुमार शुक्ला, जीतेन्द्र श्रीवास सहित विश्वविद्यालय के कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पीएम के खिलाफ आपत्तिजनक वीडियो पोस्ट अमित जोगी के खिलाफ थाने में शिकायत

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक वीडियो पोस्ट करने पर जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ अध्यक्ष अमित जोगी के खिलाफ भाजपा नेताओं ने सिविल लाइन थाने में FIR दर्ज करने की शिकायत की है।

अमित जोगी ने कथित वोट चोरी के मुद्दे पर प्रधानमंत्री और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर निशाना साधते हुए वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें दोनों के मुखौटे पहने किरदारों को दिखाया गया और 'जानू-जानू की शादी' के नाम से सांकेतिक शादी और हनीमून का दृश्य दिखाया गया था। वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर इसकी काफी आलोचना हुई।

रात करीब 8:30 बजे रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत और जिलाध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर के नेतृत्व में करीब 50 भाजपाइयों ने थाने पहुंचकर कार्रवाई की मांग की।

विवाद बढ़ने पर अमित जोगी ने वीडियो डिलीट कर सार्वजनिक रूप से माफी मांगी और कहा कि बात रखने का तरीका सही नहीं था, निजी रिश्ते को व्यंग्य का हिस्सा नहीं बनाना चाहिए। इसके बावजूद भाजपा कार्रवाई पर अड़ी है।

संपादकीय

सरकार किसानों से किया वादा पूरा कर रही है

छत्तीसगढ़ में धान की खेती सबसे ज्यादा होती है,धान से ही किसानों को सबसे ज्यादा आय होती है। राज्य के चुनाव में जीत के लिए किसानों को अहम माना जाता है,इसलिए चाहे सत्तारूढ़ दल हो या विपक्ष दोनों को किसानों की चिंता ज्यादा रहती है। वह अपने आचार विचार से बताते .जताते रहते हैं कि वह किसानों के लिए कितने चिंतित हैं।हर साल नवंबर में धान खरीदी होती है और हर साल धान खरीदी की घोषणा होते ही विपक्ष की राजनीति शुरू हो जाती है। कैबिनेट की बैठक के बाद सीएम साय ने घोषणा की है कि इस साल 15 नवंबर से 3100 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से धान खरीदी की जाएगी।प्रति एकड़ अधिकतम 21 क्विंटल की सीमा तय की गई है। यह भी कहा गया है कि कृषक उन्नति योजना के तहत धान के बदले अन्य फसल लेने पर आदान सहायता अब प्रति क्विंटल के बजाय प्रति एकड़ 15 हजार रुपए दी जाएगी। इस साल 27 .50 लाख किसानो से धान खरीदा जाएगा।

धान खरीदी की घोषणा के साथ ही यह भी बताया गया है कि धान खरीदी को सुगम व पारदर्शी बनाने के लिए पिछले साल पंजीकृत व एग्रीस्टेक आईडी वाले सभी किसानों का पंजीयन मान्य होगा,उन्हें दोबारा पंजीयन कराने या समिति में ऋण पुस्तिका लाने की आवश्यकता नहीं होगी। धान खरीदी बायोमेट्रिक प्रणाली से होगी। 360 नए केंद्र खुलने के बाद धान खरीदी केंद्रों की कुल संख्या 3100 हो जाएगी। हर साल सरकार धान खरीदी के दौरान किसानों को किसी तरह की असुविधा न हो इसके लिए व्यवस्था करती है। लेकिन हर बार प्रशासनिक लापरवाही के कारण कहीं न कहीं किसानों को दिक्कत तो होती ही है।धान खरीदी के लिए हर साल मांग की जाती है कि नए धान खरीदी केंद्र खोले जाएं ताकि किसानों को धान बेचने के लिए दूर न जाना पड़े और किसी तरह की दिक्कत न हो। इसलिए इस साल सरकार ने 360 नए केंद्र खोलने का फैसला किया है तो इसे किसानों के हित में लिया गया फैसला माना जा सकता है।

भाजपा ने पिछला चुनाव किसानों के हित का वादा करके जीता और कांग्रेस से सत्ता छीनी थी। यानी चुनाव में भाजपा ने जो वादा किया उस पर किसानों ने भरोसा किया और भाजपा को चुनाव जिताया और कांग्रेस पर भरोसा न करके संदेश दिया कि वह भले कहती रहे कि किसान हितैषी है लेकिन किसान ऐसा नहीं मानते हैं। जो सत्ता में रहता है वह किसान हितैषी है, इसका प्रमाण से हर साल किसानों के हित में कुछ न कुछ फैसला करके देना पड़ता है। सरकार जब भी ऐसा करती है तो कांग्रेस नेता उसे किसानों के हितों को विरोध बताने का प्रयास करते हैं, यह बताने का प्रयास करते हैं कि किसानों को जितना पैसा धान का मिलना चाहिए सरकार नहीं दे रही है।धान खरीदी की घोषणा के बाद कांग्रेस अध्यक्ष का बयान आया है कि धान खरीदी में प्रति क्विंटल की जगह प्रति एकड़ के हिसाब से सहायता देने का साय कैबिनेट का फैसला किसानों के साथ धोखा है।कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि किसानों को 3100 रुपए की बजाय 3358 रुपए प्रति क्विंटल एकमुश्त भुगतान किया जाना चाहिए।

दीपक बैज का कहना है कि धान का समर्थन मूल्य हर साल बढ़ने का लाभ किसानों को नहीं मिल रहा है इनका कहना है कि 2023-24 में धान पर 917 रुपए प्रति क्विंटल आदान सहायता मिलती थी,24-25 में 800 रुपए मिली, 25-26 में 731 रुपए मिली और 26-27 में घटकर यह 659 रुपए रह गई है। तीन साल कुल 258 रुपए प्रति क्विंटल कमी हुई है।कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज भूल गए हैं कि जब भूपेश सरकार ने 2500 रुपए क्विंटल धान खरीदने का फैसला किया था तो तब हर साल धान का समर्थन मूल्य बढ़ता था लेकिन भूपेश सरकार 2500 में बढ़ा हुआ समर्थन मूल्य जोड़कर पैसा नहीं देती थी, इस हिसाब से तो पिछली सरकार जैसा करती थी,वैसा ही साय सरकार भी कर रही है और कह रही है कि 3100 प्रति क्विंटल धान खरीदने का वादा था वैसा किया जा रहा है।

साय सरकार ने किसानो से जो कहा वैसा किया भी है। कांग्रेस भले ही यह कहती रहे कि साय सरकार किसानों को धान का कम पैसा दे रही है लेकिन किसान जानते हैं कि भूपेश सरकार के समय उनको जितना मिलता था आज उससे ज्यादा मिल रहा है और एकमुश्त मिल रहा है।केंद्र का समर्थन मूल्य 2369 रुपए है,राज्य सरकार 3100 रुपए में खरीदती है तो अंतर की राशि होती है 731 रुपए प्रति क्विंटल। साय सरकार प्रति एकड़ 21 क्विंटल खरीदती है तो प्रति एकड़ 15351 रुपए होता है। साय सरकार ने अभी यही तो घोषणा की है कि किसानों को क्विंटल की जगह प्रति एकड़ भुगतान किया जाएगा। पुरानी व्यवस्था के हिसाब से देखा जाए तो पहले प्रति एकड़ 14 क्विंटल धान खरीदा जाता तो आज के हिसाब से 10234 रुपए मिलते जबकि नई व्यवस्था के हिसाब से 15351 रुपए मिल रहे हैं। सरकार ने किसानों से कहा है कि यदि वह धान की जगह अन्य फसल लेते हैं तो उनके प्रति एकड़ आदान सहायता 15000 रुपए दी जाएगी यह भी किसानो के लिए फायदे की ही बात है। धान का भी 15 हजार रुपए मिलता है और अन्य फसल का भी 15 हजार मिलेगा।

आतिशबाजी की चमक और शोर में खोती संवेदनाएं



प्रो. डॉ. मनमोहन प्रकाश



आतिशबाजी की दुनिया भी बड़ी विचित्र है। कोई आसमान में रंगों की चादर बिछाता है, तो कोई ऐसा धमाका करता है कि कानों में घंटियाँ बजने लगती हैं। बाजार में कम प्रदूषण फैलाने वाले पटाखों से लेकर अधिक प्रदूषण फैलाने वाले पटाखों तक, हल्की रोशनी से लेकर आँखों को चौंधिया देने वाली चमक और धीमी आवाज से लेकर धुआँ के पर्दों को चुनौती देने वाले धमाकों तक, हर तरह के विकल्प उपलब्ध हैं। पटाखा जितनी जोर से फूटता है, छोड़ने वाले का सीना उतना ही चौड़ा हो जाता है! लगता है, खुशी का पैमाना अब मुस्कान नहीं, बल्कि धमाके की तीव्रता हो गया है।

पटाखों की चिंगारियाँ न जाने कितने बच्चों को झुलसा चुकी हैं, कितने लोगों को अस्पताल पहुँचा चुकी हैं और कितने परिवारों के उत्सव को मातम में बदल चुकी हैं। इनसे निकलने वाला धुआँ, सूक्ष्म कण और हानिकारक रासायनिक पदार्थ मानव, पशु-पक्षियों तथा पर्यावरण के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं। इसके बावजूद इनका आकर्षण कम नहीं होता। लगता है, पटाखों में बारूद के साथ दिखावे का शौक और दूसरों से आगे निकलने की होड़ भी भरी होती है।

दशहरे पर रावण दहन हो, दीपावली का उत्सव, नए वर्ष का स्वागत, बारात का जुलूस, चुनाव में जीत का जश्न या फिर पाकिस्तान के विरुद्ध किसी खेल में भारत की विजय-हर अवसर पर आतिशबाजी का चलन दिखाई देता है। ऐसा लगता है मानो ये अवसर खुशियाँ मनाने के साथ-साथ आतिशबाजी की प्रतियोगिता आयोजित करने के लिए भी बने हों। वर्ष में एक बार रात के ठीक बारह बजे होने वाली आतिशबाजी देखकर लगता है कि कैलेंडर बदलने के लिए भी विस्फोटक ऊर्जा की जरूरत पड़ती है। नया साल आए या पुराना विदा हो, पटाखों की आवाज और रोशनी के बीच शुभकामनाएँ देने का चलन लगातार बढ़ता जा रहा है।

दिलचस्प बात यह है कि पटाखे फोड़ने वाले को उनकी आवाज में संगीत सुनाई देता है और आनंद की अनुभूति होती है, जबकि पड़ोसी को उसी में कई बार प्रलय की आहट सुनाई देती है। धमाका करने वाला खुशी से झूमता है, बुजुर्ग करवटें बदलते रहते हैं, बीमार व्यक्ति बेचैन हो उठता है और छोटे बच्चे डरकर माँ की गोद में दुबक जाते हैं। लेकिन पटाखे छोड़ने वाले के उत्साह में कोई कमी नहीं आती। उसे अपने अधिकार का पूरा अहसास है, लेकिन दूसरों की परेशानी का शायद थोड़ा भी नहीं!

पटाखों के शोर से केवल मनुष्य ही परेशान नहीं होते। पशु-पक्षियों के लिए तो आतिशबाजी की तेज आवाज और अचानक फैलने वाली चमक भय तथा परेशानी का बड़ा कारण बनती हैं। कई पशु घबराकर सड़कों पर दौड़ पड़ते हैं और दुर्घटनाओं का शिकार हो जाते हैं। पक्षियों के लिए अचानक होने वाले तेज धमाके भय और दिशाभ्रम की स्थिति पैदा कर सकते हैं। उनके घोंसलों, विश्राम और सामान्य व्यवहार पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। जो जीव अपनी पीड़ा शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकते, उनकी चुप्पी को हम उनकी सहमति क्यों मान लेते हैं? क्या हमें सचमुच लगता है कि उन्हें भी हमारी तरह इस आतिशबाजी में आनंद आता होगा?

सवाल उठता है कि आखिर आतिशबाजी की आवाज और रोशनी का जादू सिर चढ़कर क्यों बोलता है? क्या खुशी तब तक अधूरी रहती है, जब तक उसकी गूँज पूरे मोहल्ले में न सुनाई दे? क्या अपनी प्रसन्नता प्रमाणित करने के लिए दूसरों की नींद, शांति और सुकून छीनना जरूरी है?

विडंबना देखिए कि हम एक ओर पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रचार-प्रसार करते हैं, बच्चों को अच्छे संस्कार देने की बात करते हैं और देश में बढ़ते प्रदूषण पर चिंता व्यक्त करते हैं, वहीं दूसरी ओर त्योहार आते ही सारी सीखों को छुट्टी पर भेज देते हैं। दीपावली पर घर का कोना-कोना साफ करते हैं, लेकिन अपने भीतर जमी असंवेदनशीलता की धूल साफ करना भूल जाते हैं। लगता है, हमारे संस्कार भी मौसमी हो गए हैं। सामान्य दिनों में शांति और सद्भाव की बातें होती हैं, लेकिन त्योहारों और विशेष अवसरों पर धुएँ तथा धमाकों की प्रतियोगिता शुरू हो जाती है!

पटाखों का शोर केवल कुछ क्षणों की परेशानी तक सीमित नहीं रहता। अत्यधिक ध्वनि से सुनने की क्षमता प्रभावित हो सकती है, नींद में व्यवधान पड़ सकता है और तनाव तथा बेचैनी बढ़ सकती है। विशेष रूप से नवजात शिशुओं, छोटे बच्चों, बुजुर्गों, हृदय रोगियों और ध्वनि के प्रति संवेदनशील व्यक्तियों के लिए यह शोर अधिक कष्टदायक हो सकता है। दूसरी ओर, पटाखों से निकलने वाला धुआँ और सूक्ष्म कण वायु की गुणवत्ता खराब करते हैं। इनमें मौजूद विभिन्न रासायनिक पदार्थ वायुप्रदूषण बढ़ाते हैं और आँखों तथा श्वसन तंत्र से जुड़ी परेशानियों को जन्म दे सकते हैं या पहले से मौजूद समस्याओं को गंभीर बना सकते हैं। पटाखों की चिंगारी कई बार सीधे अस्पताल का रास्ता भी दिखा देती है। यानी कुछ क्षणों के रोमांच की कीमत कई लोगों को अपने स्वास्थ्य से चुकानी पड़ सकती है।

कई बार पटाखे फोड़ना प्रतिष्ठा का प्रश्न बन जाता है। पड़ोसी ने दस पटाखे फोड़े तो हम बीस फोड़ेंगे, उसने हजार रुपये के पटाखे फोड़ने का निश्चय किया है तो हम दस हजार के फोड़ेंगे, उसने आसमान रोशन किया तो हम आसमान सिर पर उठा लेंगे। अपनी खुशी को दूसरों से बड़ी दिखाने की इस होड़ में उत्सव का आनंद पीछे छूट जाता है और प्रदर्शन आगे आ जाता है। खुशी का यह कैसा प्रदर्शन है, जिसमें आनंद से अधिक शोर और उल्लास से अधिक प्रतिस्पर्धा दिखाई देती है?

इसका अर्थ यह नहीं कि त्योहारों की खुशियों पर पहरा लगा दिया जाए। सवाल उत्सव मनाने का नहीं, बल्कि उसे मनाने के तरीके का है। दीपक जलाना, मिठाइयाँ बाँटना, परिवार और मित्रों के साथ समय बिताना, अपने बच्चों के साथ अनाथालयों के बच्चों में खुशियाँ बाँटना तथा जरूरतमंदों की सहायता करना भी प्रसन्नता व्यक्त करने के सुंदर माध्यम हो सकते हैं। दीपावली का दीपक बिना कान फोड़े रोशनी देता है और नए वर्ष की शुभकामना बिना किसी विस्फोट के भी दिल तक पहुँच सकती है। हरित पटाखों के विकल्प उपलब्ध होने के बावजूद यह समझना जरूरी है कि वे भी पूरी तरह प्रदूषणमुक्त नहीं होते। इसलिए सबसे बेहतर विकल्प अनावश्यक आतिशबाजी से बचना या उसे सांकेतिक तथा सीमित रखना ही है। इससे उत्सवों और खुशी के पलों को अधिक संवेदनशील, सुरक्षित तथा आनंददायी बनाया जा सकता है।

वैसे भी आवाज और रोशनी का आकर्षण तभी तक अच्छा है, जब तक वह आनंद देने वाला प्रकाश और उल्लास बना रहे। जब वही आवाज मनुष्य के लिए भय और पशु-पक्षियों के लिए आतंक का कारण बन जाए, तब वह उत्सव नहीं, असंवेदनशीलता का शोर बन जाती है।

हमें याद रखना होगा कि धमाके की आवाज और उसकी चमक कुछ ही सेकंड में समाप्त हो जाती है, लेकिन उनसे पैदा हुई चोट, भय और प्रदूषण के दुष्प्रभाव लंबे समय तक बने रह सकते हैं। सभ्यता का परिचय इस बात से नहीं मिलता कि हम आतिशबाजी पर कितना पैसा खर्च कर सकते हैं, उसकी आवाज को कितनी दूर तक पहुँचा सकते हैं या कितनी देर तक वातावरण को गुंजायमान रख सकते हैं, बल्कि इससे मिलता है कि हम दूसरों की शांति, स्वास्थ्य और अधिकारों का कितना सम्मान करते हैं। सार्वजनिक स्थानों और रिहायशी क्षेत्रों में निर्धारित समय तथा ध्वनि और आतिशबाजी संबंधी नियमों का पालन करना भी हमारी नागरिक जिम्मेदारी है।

आखिर खुशी वह नहीं, जो पूरे मोहल्ले को जगाकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराए, बल्कि वह है जो किसी की नींद न छीने, किसी पशु को भयभीत न करे, किसी पक्षी को अपना आशियाना छोड़ने पर मजबूर न करे और किसी की साँसों में धुआँ न भरे। पटाखे तो फूटकर समाप्त हो जाएँगे, लेकिन सवाल हमारे सामने रह जाएगा।

क्या हम सचमुच उत्सव मना रहे थे या अपनी असंवेदनशीलता का शक्ति-प्रदर्शन कर रहे थे?

संकट पानी का नहीं, उसके उचित प्रबंधन का है

राजस्थान के ग्रामीण इलाकों में गर्मी का मौसम केवल तापमान बढ़ने का समय नहीं होता, बल्कि यह पानी की उपलब्धता और उसके प्रबंधन की सबसे बड़ी परीक्षा भी होती है। जैसे-जैसे गर्मी बढ़ती है, गांवों में कुओं, तालाबों और जलाशयों का पानी कम होने लगता है। कई जगह हैंडपंप और नलकूप पर्याप्त पानी नहीं दे पाते। इसका असर केवल लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर नहीं पड़ता, बल्कि पशुपालन और खेती भी इससे प्रभावित होते हैं। राजस्थान के लूणकरणसर जैसे शुष्क क्षेत्रों में पानी की कमी का अर्थ है कि ग्रामीण परिवारों को पीने के पानी से लेकर पशुओं के लिए चारा उगाने तक, हर स्तर पर कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।



यहां यह समझना जरूरी है कि राजस्थान में वर्षा का वितरण असमान है। राज्य के पश्चिमी हिस्से में बारिश कम और अनिश्चित होती है। कई बार अच्छी बारिश के बावजूद पानी का बड़ा हिस्सा बहकर निकल जाता है या तेज गर्मी के कारण जल्दी वाष्पित हो जाता है। दूसरी ओर, भूजल पर लगातार बढ़ती निर्भरता ने स्थिति को और चुनौतीपूर्ण बनाया है। केंद्रीय भूजल बोर्ड के वर्ष 2024 के आकलन के अनुसार, राजस्थान में सालाना भूजल दोहन की दर 148.77 प्रतिशत थी। राज्य की 302 आकलन इकाइयों में से 216 को अत्यधिक दोहन की श्रेणी में रखा गया था। इसका अर्थ है कि जितना भूजल प्राकृतिक रूप से उपलब्ध हो रहा है, उससे कहीं अधिक निकाला जा रहा है। इस दिशा में सबसे जरूरी कदम वर्षा जल का संचयन है। राजस्थान में पारंपरिक रूप से पानी जमा करने के कई तरीके प्रचलित रहे हैं। टांका, जोहड़, नाड़ी, खड़ीन, बावड़ी और कुंड जैसी व्यवस्थाएं स्थानीय भौगोलिक परिस्थितियों और कम वर्षा को ध्यान में रखकर विकसित की गई थीं। इन परंपरागत संरचनाओं को आधुनिक तकनीक के साथ फिर से मजबूत करने की जरूरत है।

गांवों में घरों की छतों से बारिश का पानी पाइप के माध्यम से टांकों और भूमिगत टंकियों तक पहुंचाया जा सकता है। पंचायत स्तर पर तालाबों की सफाई, गहरीकरण और उनके आसपास जलग्रहण क्षेत्र का विकास किया जाना चाहिए। खेतों में छोटे जलाशय और फार्म पॉन्ड बनाकर बारिश के पानी को जमा किया जा सकता है। इससे एक ओर भूजल का पुनर्भरण होगा, वहीं दूसरी ओर गर्मियों में पशुओं और खेती के लिए पानी उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। राजस्थान सरकार ने जल संकट से निपटने के लिए मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0 शुरू किया है। फरवरी 2024 में शुरू की गई इस योजना के तहत अगले चार वर्षों में राज्य के 20 हजार गांवों में पांच लाख जल संग्रहण और संरक्षण संरचनाएं बनाने का लक्ष्य रखा गया है। राज्य सरकार की 2024-25 की बजट घोषणा में इस अभियान के लिए लगभग 11,200 करोड़ रुपये का प्रावधान बताया गया था।

पेयजल उपलब्धता के लिए केंद्र सरकार की जल जीवन मिशन योजना भी महत्वपूर्ण है। जुलाई 2026 में प्रकाशित जानकारी के अनुसार राजस्थान के लगभग 1.07 करोड़ ग्रामीण परिवारों में से करीब 63.64 लाख परिवारों को नल कनेक्शन उपलब्ध कराया गया था। यह कुल ग्रामीण परिवारों का लगभग 59.11 प्रतिशत था। राज्य के सामने शेष परिवारों तक कनेक्शन पहुंचाने के साथ जल स्रोतों को टिकाऊ बनाए रखने की चुनौती भी है। खेती में पानी की खपत कम करना भी जल संकट के स्थायी समाधान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। राजस्थान में बड़ी संख्या में किसान सिंचाई के लिए भूजल पर निर्भर हैं। पारंपरिक तरीके से खेतों में पानी भरकर सिंचाई करने से काफी पानी व्यर्थ चला जाता है। इसके स्थान पर ड्रिप और स्प्रिंकलर जैसी आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देना चाहिए। राजस्थान सरकार प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत किसानों को ड्रिप और स्प्रिंकलर लगाने के लिए अनुदान दे रही है। राज्य के आर्थिक समीक्षा दस्तावेज 2025-26 के अनुसार सामान्य किसानों को 70 प्रतिशत और अनुसूचित जाति-जनजाति, महिला, छोटे एवं सीमांत किसानों को 75 प्रतिशत तक अनुदान का प्रावधान है। इसके बावजूद छोटे किसानों तक इन तकनीकों की पहुंच बढ़ाने की जरूरत है। इसके लिए पंचायत स्तर पर प्रदर्शन खेत विकसित किए जा सकते हैं, जहां किसान इन प्रणालियों को देखकर और समझ कर अपना सकें।

पानी की कमी से जूझ रहे दूसरे राज्यों और देशों के अनुभव भी राजस्थान के लिए उपयोगी हो सकते हैं। महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले का हिवरे बाजार गांव इसका एक अच्छा उदाहरण है। कभी पानी की गंभीर कमी से जूझने वाले इस गांव में ग्रामीणों ने जलग्रहण क्षेत्र का विकास, वर्षा जल संचयन, छोटे बांधों और मिट्टी-पानी संरक्षण के कार्यों को सामुदायिक भागीदारी से आगे बढ़ाया। लगभग 400 मिलीमीटर सालाना बारिश वाले इस गांव ने पांच वर्षों में अपनी जल उपलब्धता और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार किया। इस बदलाव में सरकारी योजनाओं और पंचायत के संसाधनों के साथ ग्रामीणों की सामूहिक भागीदारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। यह उदाहरण बताता है कि कम बारिश वाले क्षेत्रों में भी सही योजना और सामुदायिक प्रयास से पानी की उपलब्धता बढ़ाई जा सकती है।

इसी तरह इजायल ने सीमित जल संसाधनों के बावजूद कृषि क्षेत्र में ड्रिप सिंचाई और शोधित अपशिष्ट जल के पुनः उपयोग को व्यापक स्तर पर अपनाया है। वहां शहरी क्षेत्रों से निकलने वाले गंदे पानी को शोधित करके खेती में इस्तेमाल किया जाता है। राजस्थान में भी शहरों और कस्बों के सीवेज को उचित तकनीक से साफ करके गैर-खाद्य फसलों, बागवानी और औद्योगिक जरूरतों के लिए इस्तेमाल करने की संभावनाएं विकसित की जा सकती हैं। इससे भूजल और मीठे पानी पर निर्भरता कम होगी। दरअसल, राजस्थान के गांवों में पानी की समस्या का समाधान केवल नए जल स्रोत बनाने में नहीं, बल्कि उपलब्ध पानी को बचाने, जमा करने और जरूरत के अनुसार इस्तेमाल करने में छिपा है। यदि वर्षा जल संचयन, आधुनिक सिंचाई तकनीक, पारंपरिक जल संरचनाओं के पुनर्जीवन और सामुदायिक भागीदारी को एक साथ आगे बढ़ाया जाए तो स्थिति में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है।

विपक्षी हुंकार शक्ति-प्रदर्शन नहीं, जनकल्याण का कारण बने

ललित गर्ग

लोकतंत्र केवल सत्ता परिवर्तन की व्यवस्था नहीं, बल्कि जनआकांक्षाओं, नागरिक अधिकारों, जवाबदेही और सार्थक राजनीतिक संवाद की जीवंत प्रणाली है। इसकी मजबूती केवल सत्तारूढ़ दल की कार्यक्षमता से नहीं, बल्कि विपक्ष की जिम्मेदारी, उसकी वैचारिक परिपक्वता और जनहित के प्रति उसकी प्रतिबद्धता से भी निर्धारित होती है। लेकिन जब विपक्ष की राजनीति का केंद्र जनता के बुनियादी सवालों के बजाय सत्ता का विरोध, नेतृत्व पर व्यक्तिगत हमले और आरोपों की पुनरावृत्ति बन जाए, तब लोकतंत्र की वास्तविक मजबूती को लेकर प्रश्न खड़े होना स्वाभाविक है। दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस के नेतृत्व में लगभग बीस विपक्षी दलों का जुटना और वोट चोरी के मुद्दे पर हुंकार भरना इसी संदर्भ में राजनीतिक समीक्षा की अपेक्षा करता है। सवाल यह नहीं कि विपक्ष को रैली करने का अधिकार है या नहीं, बल्कि यह है कि ऐसी रैलियों से लोकतंत्र और आम जनता को आखिर क्या हासिल हो रहा है?



रामलीला मैदान ऐतिहासिक रूप से जनआंदोलनों, राजनीतिक चेतना और लोकतांत्रिक प्रतिरोध का साक्षी रहा है। यहां उमड़ने वाली भीड़ को केवल राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन के रूप में नहीं देखा जा सकता, बल्कि उससे जुड़े संदेश और उद्देश्य का मूल्यांकन भी आवश्यक है। कांग्रेस ने सहयोगी दलों को एक मंच पर लाकर अपनी राजनीतिक एकजुटता प्रदर्शित करने का प्रयास किया। दस लाख लोगों के जुटने का दावा किया गया था, लेकिन उपलब्ध विवरणों के अनुसार वास्तविक उपस्थिति इस दावे से काफी कम रही। फिर भी इस आयोजन का महत्त्व केवल भीड़ के आकार से नहीं, बल्कि उसके राजनीतिक संदेश से तय होना चाहिए। दुर्भाग्य यह है कि इस रैली में भी विपक्ष की ओर से वही पुराने आरोप, वही राजनीतिक भाषण और वही सत्ता विरोधी तेवर अधिक दिखाई दिए, जिनकी पुनरावृत्ति लंबे समय से होती रही है।

वोट चोरी और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अर्थात एसआईआर को लेकर विपक्ष ने गंभीर सवाल उठाए हैं। चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाना किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में विपक्ष का अधिकार ही नहीं, उसका दायित्व भी है। प्रत्येक वैध मतदाता का नाम मतदाता सूची में सुरक्षित रहना चाहिए और किसी भी पात्र नागरिक को मतदान के अधिकार से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। लेकिन लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए आरोपों के साथ प्रमाण और तथ्यों की विश्वसनीयता भी आवश्यक है। जिन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने का प्रश्न उठाया जा रहा है, उनमें मृतक, स्थायी रूप से अन्यत्र स्थानांतरित हो चुके और एक से अधिक स्थानों पर पंजीकृत मतदाता भी शामिल बताए गए हैं। निर्वाचन आयोग ने भी एसआईआर से जुड़े निर्णयों को तीनों चुनाव आयुक्तों की सहमति से लिया गया बताया है। इस प्रक्रिया को लेकर न्यायालय में विचार और निर्देश भी सामने आए हैं। इसलिए इस पूरे विषय पर अंतिम निष्कर्ष तथ्यों, प्रमाणों और न्यायिक परीक्षण के आधार पर ही निकाला जाना चाहिए।

विपक्ष का दायित्व है कि वह चुनाव आयोग से पारदर्शिता की मांग करे, मतदाता सूची की त्रुटियों को उजागर करे और पात्र मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा के लिए ठोस प्रयास करे। लेकिन केवल वोट चोरी का नारा बुलंद करने से लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति विश्वास मजबूत नहीं होगा। यदि विपक्ष वास्तव में मतदाता अधिकारों को लेकर गंभीर है तो उसे प्रत्येक मतदान केंद्र पर अपने बूथ लेवल एजेंट नियुक्त करने, मतदाता सूची की जांच करने, वास्तविक विसंगतियों के प्रमाण जुटाने और प्रभावित नागरिकों को न्याय दिलाने की व्यवस्था मजबूत करनी चाहिए। लोकतंत्र की रक्षा नारों से कम और धरातल पर किए गए कार्यों से अधिक होती है। इस रैली का एक दूसरा पहलू भी है। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों की राजनीतिक एकजुटता का आधार क्या है? क्या यह एकजुटता किसी साझा आर्थिक दृष्टि, रोजगार नीति, कृषि सुधार, शिक्षा की गुणवत्ता, स्वास्थ्य सेवाओं, महंगाई, भ्रष्टाचार, महिला सुरक्षा, युवाओं के भविष्य और सामाजिक न्याय के व्यापक कार्यक्रम पर आधारित है? अथवा इसका मुख्य उद्देश्य नरेंद्र मोदी सरकार का विरोध करना और सत्ता के विरुद्ध राजनीतिक वातावरण तैयार करना है? यदि किसी गठबंधन की एकता का सबसे बड़ा आधार किसी एक नेता या सरकार का विरोध हो, तो उसकी वैचारिक स्थिरता और भविष्य की दिशा पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। सत्ता विरोध अपने आप में कोई राजनीतिक दर्शन नहीं हो सकता।

लोकतंत्र में विपक्ष केवल आलोचक नहीं होता, वह वैकल्पिक नीतियों का निर्माता भी होता है। संसद में विधेयकों पर गंभीर चर्चा, सरकार की नीतियों का तथ्यात्मक परीक्षण, आर्थिक और सामाजिक समस्याओं पर वैकल्पिक सुझाव तथा जनता की आवाज को संस्थागत मंचों तक पहुंचाना उसकी बुनियादी जिम्मेदारी है। लेकिन जब राजनीतिक विमर्श आरोप-प्रत्यारोप, व्यक्तिगत कटाक्ष और विरोध प्रदर्शनों तक सीमित होने लगता है, तब जनता के वास्तविक मुद्दे पीछे छूट जाते हैं। विपक्ष को यह समझना होगा कि प्रधानमंत्री की आलोचना करना और प्रधानमंत्री के विकल्प के रूप में अपनी योग्यता प्रमाणित करना दो अलग-अलग बातें हैं। पहली बात राजनीतिक विरोध है, जबकि दूसरी लोकतांत्रिक नेतृत्व की कसौटी है। आज भारत अनेक बुनियादी चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है। युवाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण रोजगार, किसानों की आय और कृषि की उत्पादकता, छोटे व्यापारियों की आर्थिक सुरक्षा, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार, पर्यावरण संरक्षण, शहरी अव्यवस्था, बढ़ती आर्थिक विषमता और महिलाओं की सुरक्षा जैसे प्रश्न किसी एक दल के नहीं, पूरे राष्ट्र के प्रश्न हैं। क्या रामलीला मैदान की हुंकार इन विषयों पर कोई ठोस वैकल्पिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सकी? क्या विपक्ष ने यह बताया कि वह इन समस्याओं के समाधान के लिए कौन-सी नीतियां अपनाएगा? क्या उसने देश के सामने कोई साझा विकास दृष्टि रखी? इन सवालों का उत्तर ही इस रैली की राजनीतिक सार्थकता का वास्तविक मूल्यांकन करेगा।

यह भी समझना आवश्यक है कि लोकतंत्र में भीड़ जुटाना और जनमत अर्जित करना अलग-अलग बातें हैं। भीड़ किसी क्षणिक राजनीतिक उत्तेजना, संगठनात्मक शक्ति अथवा विरोध की भावना से जुट सकती है, लेकिन स्थायी जनविश्वास विचारों, नीतियों, आचरण और परिणामों से अर्जित होता है। राजनीतिक दलों को यह भ्रम नहीं पालना चाहिए कि विशाल मंच, बड़े भाषण और एकजुटता के प्रदर्शन से जनता का विश्वास स्वतः प्राप्त हो जाएगा। आज का मतदाता पहले की तुलना में अधिक जागरूक है। वह केवल यह नहीं सुनना चाहता कि सरकार ने क्या गलत किया, बल्कि यह भी जानना चाहता है कि विपक्ष उस स्थिति को सुधारने के लिए क्या करेगा। कांग्रेस के लिए यह आत्ममंथन का अवसर है। देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी होने के नाते उसे केवल विरोध की राजनीति नहीं, बल्कि वैचारिक नेतृत्व और रचनात्मक विपक्ष की अपेक्षा भी की जाती है। राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं को अपनी राजनीतिक ऊर्जा का उपयोग ऐसे मुद्दों पर करना चाहिए, जो समाज के व्यापक वर्गों को प्रभावित करते हैं। विपक्षी एकता तभी सार्थक होगी, जब वह साझा नकारात्मकता के बजाय साझा सकारात्मक एजेंडे पर आधारित होगी। विभिन्न दलों के बीच नेतृत्व की प्रतिस्पर्धा और राजनीतिक महत्त्वाकांक्षाओं से ऊपर उठकर राष्ट्रहित के प्रश्नों पर सहमति बनाना आवश्यक है।

वस्तुतः लोकतंत्र की प्राण-प्रतिष्ठा केवल चुनावों, रैलियों, नारों और राजनीतिक हुंकारों से नहीं होती। इसके लिए संस्थाओं की निष्पक्षता, नागरिकों के अधिकारों की सुरक्षा, राजनीतिक दलों की जवाबदेही, विचारों की स्वतंत्रता और जनहित के प्रति संवेदनशील शासन व्यवस्था आवश्यक है। सत्तापक्ष को भी आलोचना सुनने और अपनी कमियों को सुधारने का साहस दिखाना चाहिए, जबकि विपक्ष को प्रमाणों के साथ सवाल उठाने और समाधान प्रस्तुत करने की जिम्मेदारी निभानी चाहिए। लोकतंत्र किसी एक दल की बपौती नहीं, बल्कि समूचे राष्ट्र की साझी विरासत है। रामलीला मैदान की यह रैली विपक्ष के लिए केवल शक्ति प्रदर्शन का अवसर बनकर न रह जाए, बल्कि आत्ममंथन का कारण बने, यही समय की मांग है। सवाल यह नहीं कि विपक्ष मोदी सरकार के विरुद्ध कितनी बार एकजुट हो सकता है, बल्कि यह है कि वह देश के भविष्य के लिए कितनी बार एक सार्थक और विश्वसनीय विकल्प प्रस्तुत कर सकता है। लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए सत्ता का विरोध जरूरी हो सकता है, लेकिन उससे कहीं अधिक जरूरी है जनहित का समर्थन। लोकतंत्र को हुंकार से नहीं, विचार से; भीड़ से नहीं, विश्वास से और सत्ता की आलोचना से नहीं, जनकल्याण के ठोस संकल्प से मजबूती मिलती है। यही रामलीला मैदान की राजनीतिक गूंज से निकलने वाला सबसे महत्त्वपूर्ण संदेश होना चाहिए।

धर्म केवल एक विचार नहीं बल्कि जीवन में उतारने की चीज है : अक्षय मुनि जी मसा

117 उपवास की तपस्या का संकल्प लेकर सुनंदा पारख ने बढ़ाया जिनशासन का गौरव, बालोद में धर्मसभा आयोजित

नई दृष्टिबिंदु / बालोद

समता भवन में आयोजित धर्मसभा में शासन दीपक अक्षय मुनि जी मसा ने कहा कि धर्म केवल सोचने-विचारने का विषय नहीं, बल्कि उसे जीवन में उतारने की महिमा है। व्यक्ति को दुनिया क्या कर रही है, इसकी चिंता छोड़कर अपने कर्तव्यों पर ध्यान देना चाहिए। धर्म की शुरूआत घर से होती है। परिवार में प्रेम, एकता और आपसी सद्भाव होना जरूरी है। जिस प्रकार झाड़ू की सभी तीलियां एक साथ रहती हैं, तभी सफाई कर पाती हैं, उसी प्रकार परिवार के सदस्यों को भी एकजुट रहना चाहिए।

मुनिश्री ने कहा कि धर्म से जुड़े लोगों में सामाजिक कार्यों के प्रति रुचि लगातार कम होती जा रही है। समाज में एकजुटता और धरातल पर सेवा कार्यों की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि संसार अनादिकाल से गतिमान है और प्रत्येक जीव जन्म-मरण के चक्र से गुजरता है। पृथ्वीकाय, अपकाय, अग्निकाय, वायुकाय और वनस्पतिकाय में भी अनंत जीवों का अस्तित्व है। आज संस्कृति दूषित हो रही है। अच्छी पुस्तक और अच्छे व्यक्ति की पहचान के लिए उन्हें समझना और पढ़ना जरूरी है। अच्छी संगति से जीवन में सकारात्मकता आती है।

उन्होंने कहा कि व्यक्ति पर समाज की छाया बनी रहती है। जिन चार लोगों की बातों में इंसान हमेशा हां में हां मिलाता है, वही चार लोग अंत में उसे श्मशान तक पहुंचाते हैं। आत्मचेतना जगाने के लिए व्यक्ति को सामाजिक दबाव से मुक्त होकर आत्मचिंतन करना चाहिए। भगवान महावीर ने भी अकेले साधना की थी। मुनिश्री ने कहा कि जिंदगी को मौन और मुस्कुराहट के साथ जीना चाहिए, इससे आनंद के द्वार खुलते हैं। हर व्यक्ति को अपनी बात कहने का अवसर देना चाहिए, क्योंकि उसके विचारों से उसका व्यक्तित्व सामने आता है। किसी की भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचानी चाहिए।



मुनिश्री ने जीवों के अधिकारों पर भी विचार रखते हुए कहा कि समय के साथ जातिगत बंधनों से मुक्ति मिली और महिलाओं को भी अधिकार प्राप्त हुए हैं। अब जानवरों को भी उनके जीने का अधिकार मिलना चाहिए।

117 उपवास की तपस्या का संकल्प

धर्मसभा में छत्तीसगढ़ की तपस्वी रत्ना श्रीमती सुनंदा पारख ने 117 उपवास की दीर्घ तपस्या का संकल्प श्री अक्षय मुनि जी मसा से ग्रहण किया। इस अवसर पर मुनिश्री ने कहा कि ऐसी दीर्घ तपस्या विरली आत्माएं ही कर पाती हैं। सुनंदा पारख का दृढ़ संकल्प और तपस्या के प्रति समर्पण जिनशासन की शोभा बढ़ाने वाला है।

खास खबर

दुर्ग के 19 वार्डों में 4 साल से लो प्रेशर की समस्या, अब मिलेगा समाधान, इंटकवेल में लगा नया मोटर पंप



नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

शहर के 19 वार्डों के रहवासियों के लिए राहत भरी खबर है। पिछले चार साल से अधिक समय से नलों में कम प्रेशर की समस्या बनी हुई थी, अब नगर निगम प्रशासन ने इसके समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाना शुरू किया है।

24 MLD प्लांट में नए पंप

शहर का सबसे पुराना 24 MLD इंटकवेल और फिल्टर प्लांट शक्ति नगर, शंकर नगर, शनिचरी सहित 19 वार्डों की पानी टंकियों को भरता है। यहां लगे 6-6 मोटर पंपों की क्षमता महज 45 से 70 HP थी। मशीनें पुरानी होने से टंकियां पूरी नहीं भर पा रही थीं और लोगों को 1 घंटे की जगह 30-45 मिनट ही पानी मिल रहा था। निगम ने अब यहां अधिक क्षमता वाले पंप लगाने शुरू किए हैं। बीते पखवाड़े फिल्टर प्लांट में एक नया 110 HP का मोटर पंप लगाया गया है, जिससे आधी समस्या दूर हो गई है।

दिवाली के बाद लगेंगे दो और पंप

जल विभाग की प्रभारी एमआईसी मेंबर लीना देवांगन ने बताया कि त्योहारी सीजन में पानी की मांग को देखते हुए इंटकवेल में दो और नए पंप दिवाली के बाद नवंबर के अंतिम पखवाड़े तक लगाए जाएंगे। इसके बाद लो-प्रेशर का संकट 100% खत्म होने का दावा है।

42 MLD के लिए भी प्रस्ताव

निगम 42 MLD इंटकवेल और फिल्टर प्लांट में भी 90-90 HP के तीन नए पंप लगाने की तैयारी में है। 14 साल पुराने इस प्लांट के लिए प्रस्ताव शासन को भेज दिया गया है ताकि भविष्य में जल संकट न हो।

रायपुर में पटाखा दुकानों का संयुक्त निरीक्षण सुरक्षा को लेकर दिए निर्देश



रायपुर। दीपावली पर्व के मद्देनजर रायपुर पुलिस कमिश्नरेट, पश्चिम क्षेत्र द्वारा हिंद स्पोर्टिंग ग्राउंड, लाखे नगर स्थित पटाखा दुकानों का संयुक्त निरीक्षण किया गया। 2 नवंबर 26 को पुलिस, अग्निशमन, विद्युत विभाग और नगर निगम की टीम ने दुकानों में अग्नि सुरक्षा, विद्युत सुरक्षा और पटाखों के भंडारण का जायजा लिया।

दिए गए 5 प्रमुख निदेश

फायर एक्सटिंगिशर के उपयोग का प्रैक्टिकल प्रशिक्षण और मॉक ड्रिल, विद्युत वायरिंग में सावधानी बरतने के निर्देश, पटाखों के सुरक्षित भंडारण और विक्रय के मानकों का पालन, सुरक्षा उपकरण अनिवार्य रूप से रखने के निर्देश और आग या हादसे पर तुरंत पुलिस-फायर ब्रिगेड को सूचना देने के निर्देश दिए। कमिश्नरेट पुलिस ने सभी दुकानदारों से सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने की अपील की है।



न्यायमूर्ति नरेश कुमार चंद्रवंशी ने जिला न्यायालय दुर्ग का किया वार्षिक निरीक्षण

न्यायालयीन व प्रशासनिक व्यवस्थाओं का लिया जायजा, डिजिटल न्यायिक पहलों की प्रगति से कराया अवगत

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग



छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति तथा जिला न्यायालय दुर्ग के पोर्टफोलियो जज न्यायमूर्ति नरेश कुमार चंद्रवंशी द्वारा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग का वार्षिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान रजिस्ट्रार विजिलेंस अब्दुल जाहिद कुरैशी भी उपस्थित रहे।

पोर्टफोलियो न्यायमूर्ति नरेश कुमार चंद्रवंशी एवं रजिस्ट्रार विजिलेंस अब्दुल जाहिद कुरैशी के दुर्ग आगमन पर जिला न्यायालय परिसर में उनकी गरिमामयी अगवानी की गई। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के. विनोद कुजूर, कुटुंब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश श्रीमती सुमन एक्का, कलेक्टर अभिजीत सिंह तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने न्यायमूर्ति का पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय व आदरपूर्ण स्वागत किया।

न्यायमूर्ति द्वारा जिला न्यायालय के समस्त न्यायालयों, रिकॉर्ड रूम, प्रतिलिपि शाखा, स्थापना कार्यालय, नजारत तथा अन्य महत्वपूर्ण शाखाओं का निरीक्षण किया गया। इस दौरान न्यायालयीन एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं, अभिलेखों के संधारण तथा विभिन्न शाखाओं की कार्यप्रणाली का अवलोकन कर न्यायालय के सुचारु संचालन से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी प्राप्त की गई। निरीक्षण के दौरान उन्होंने व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

निरीक्षण के दौरान जिला न्यायालय के न्यायाधीशगण के साथ बैठक आयोजित की गई, जिसमें न्यायालयीन कार्यशैली, न्यायिक प्रक्रिया एवं विभिन्न महत्वपूर्ण विधिक विषयों पर चर्चा की गई। बैठक में न्यायाधीशगण द्वारा जिला न्यायालय में डिजिटल न्यायिक पहलों के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों एवं उपलब्धियों से माननीय न्यायमूर्ति को अवगत कराया गया। विशेष रूप से न्यायश्रुति के माध्यम से ई-साक्ष्य, सीआईएस के माध्यम से ई-समंस तथा ई-टिकिट के संबंध में की जा रही कार्यवाहियों की जानकारी प्रस्तुत की गई।

इसके अतिरिक्त, जिला न्यायालय परिसर में आने-जाने वाले नागरिकों की सुविधा एवं प्रवेश व्यवस्था को अधिक सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से डिजिटल गेट पास की सुविधा हेतु विकसित सॉफ्टवेयर के संबंध में तैयार की गई वीडियो भी न्यायमूर्ति को प्रदर्शित की गई। इस प्रस्तुति के माध्यम से न्यायालय परिसर में नागरिकों की आवाजाही के प्रबंधन हेतु अपनाए जा रहे तकनीकी प्रयासों की जानकारी साझा की गई।

न्यायमूर्ति ने अपने समृद्ध न्यायिक अनुभव एवं विधिक दृष्टिकोण के आधार पर न्यायाधीशगण का मार्गदर्शन किया। बैठक में न्यायिक कार्यों के प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन, न्यायालयीन प्रक्रियाओं तथा तकनीकी साधनों के उपयोग से न्यायिक व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने से संबंधित विषयों पर विचार-विमर्श किया गया।

इस अवसर पर जिला अधिवक्ता संघ, दुर्ग के कार्यकारिणी सदस्यों तथा तृतीय श्रेणी कर्मचारी संघ एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों द्वारा भी न्यायमूर्ति से सौजन्य भेंट की गई।

न्यायमूर्ति का वार्षिक निरीक्षण न्यायालयीन एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं के अवलोकन, न्यायिक अधिकारियों के मार्गदर्शन तथा डिजिटल न्यायिक पहलों की प्रगति की समीक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा। निरीक्षण के दौरान न्यायालयीन कार्यप्रणाली को अधिक सुव्यवस्थित, प्रभावी एवं नागरिक-केंद्रित बनाने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। माननीय न्यायमूर्ति ने दुर्ग जिला न्यायालय की संपूर्ण व्यवस्थाओं, स्वच्छता और न्यायिक कामकाज की कार्यप्रणाली पर संतोष व्यक्त किया।

दीपावली के मद्देनजर बसना व पिथौरा के मिठाई दुकानों और रेस्टोरेंट में खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई



नई दृष्टिबिंदु / महासमुंद

आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार दीपावली पर्व के मद्देनजर जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा मिलावट पर नियंत्रण के लिए खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत खाद्य प्रतिष्ठानों का नियमित निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों के नमूने संकलित किए जा रहे हैं तथा स्वच्छता संबंधी कमियां पाए जाने पर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में 30 अक्टूबर 2026 को बसना बस स्टैंड स्थित मेसर्स चिंटू वीरे दा रेस्टोरेंट से पके बिरयानी चावल का विधिक नमूना संकलित किया गया। रेस्टोरेंट के किचन में स्वच्छता का अभाव पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा सुधार सूचना जारी करने की अनुशंसा की गई। इसके साथ ही मेसर्स सत्कार स्वीट्स एवं मेसर्स बीकानेर स्वीट्स, बसना का भी निरीक्षण किया गया।

इसी तरह 2 नवंबर 2026 को पिथौरा स्थित मेसर्स परगा स्वीट्स से भुंजा पेड़ा, काजू कतली एवं पेड़ा के निगरानी नमूने लिए गए। वहीं मेसर्स प्रतीक स्वीट्स एंड रेस्टोरेंट के निर्माण परिसर का निरीक्षण कर पेड़ा का विधिक नमूना संकलित किया गया। यहां किचन में स्वच्छता की कमी पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा सुधार सूचना जारी करने की अनुशंसा की गई है।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि दीपावली पर्व के दौरान मिठाइयां एवं अन्य खाद्य सामग्री विश्वसनीय प्रतिष्ठानों से ही खरीदें। पैकेटबंद खाद्य पदार्थ खरीदते समय निर्माण तिथि, समाप्ति तिथि एवं लेवल पर अंकित अन्य आवश्यक जानकारियों की जांच अवश्य करें। खाद्य पदार्थों में मिलावट अथवा गुणवत्ता संबंधी अनियमितता की जानकारी मिलने पर विभाग को सूचित करें। विभाग द्वारा नागरिकों को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से दीपावली पर्व के दौरान विशेष जांच अभियान निरंतर जारी रखा जाएगा।

दृष्टिबाधित बच्चों को रजनी बघेल ने मिठाइयां और पटाखे भेंट कर बांटी खुशियां



नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

दीपावली का पर्व हर किसी के जीवन में खुशियों और रोशनी का संदेश लेकर आता है। इसी भावना के साथ रोटरी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के विद्यालय में श्रीमती रजनी विजय बघेल ने बच्चों के बीच पहुंचकर दीपावली की खुशियां साझा कीं। इस अवसर पर श्रीमती रजनी विजय बघेल के साथ सौरभ बघेल, अनंत उपाध्याय एवं श्रीमती पल्लवी टिकरिया भी उपस्थित रहे। सभी ने उत्साहपूर्ण वातावरण में दृष्टिबाधित बच्चों के साथ समय बिताया और उन्हें दीपावली की मिठाइयां खिलाकर पर्व की खुशियों में शामिल किया। साथ ही बच्चों की पसंद के पटाखे उपहार स्वरूप भेंट किए, जिससे बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे।

इस पहल का उद्देश्य था कि रोशनी और खुशियों का यह पर्व दृष्टिबाधित बच्चों के जीवन में भी उत्साह, उमंग और अपनत्व का संदेश लेकर आए। बच्चों के साथ आत्मीयता से समय बिताते हुए अतिथियों ने उनके आनंद को साझा किया और दीपावली की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान रोटरी चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष सी.एस. बाजवा, सचिव ज्ञानचंद जैन, कोषाध्यक्ष सुमन कनौजिया, विद्यालय की प्राचार्य श्वेता महोबिया, विद्यालय के शिक्षकगण एवं दृष्टिबाधित विद्यार्थी उपस्थित रहे। सभी की सहभागिता से विद्यालय परिसर में दीपावली का उत्सव हर्षोल्लास और आत्मीयता के साथ मनाया गया।



अपराध बिना चारा-पानी दिए, मारते-पीटते और क्रूरतापूर्वक पैदल हांकते हुए ओडिशा सीमा की ओर ले जा रहा था

ऑपरेशन शंखनाद : 6 गौवंश को ओडिशा के बूचड़खाने जाने से बचाया

नई दृष्टिबिंदु / रायगढ़



वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) शशि मोहन सिंह के दिशा-निर्देशन पर रायगढ़ जिले में गौवंश के अवैध परिवहन एवं तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन शंखनाद के तहत लैलूंगा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। लैलूंगा पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 6 नग गौवंश को क्रूरतापूर्वक ओडिशा स्थित बूचड़खाने ले जाए जाने से पहले ही रास्ते में मुक्त करा लिया है। इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर अदालत के आदेश पर रिमांड पर भेज दिया है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम बांधापारा के रास्ते कुछ मवेशियों को अवैध रूप से सीमा पार कराने की तैयारी की जा रही है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी लैलूंगा उप निरीक्षक गिरधारी साव, प्रशिक्षु उप निरीक्षक शुभम मिश्रा और प्रीतम बघेल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बांधापारा मार्ग पर घेराबंदी की।

घेराबंदी के दौरान पुलिस टीम ने संदेही युवक को रोककर पूछताछ की और मवेशियों के परिवहन के संबंध में वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा। संदेही द्वारा कोई भी वैध दस्तावेज न होने की बात लिखित में स्वीकार की गई। कड़ाई से पूछताछ करने पर यह स्पष्ट हुआ कि आरोपी इन मवेशियों को अवैध रूप से ओडिशा के बूचड़खाने ले जा रहा था।

पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी के कब्जे से कुल 06 रास मवेशी जप्त किए, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 35,000 रुपये आंकी गई है। आरोपी का यह कृत्य छत्तीसगढ़ कृषि पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 की धारा 4, 6, 10, 11 तथा पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम 1960 की धारा 11 के तहत दंडनीय पाए जाने पर थाना लैलूंगा में अपराध क्रमांक 339/2026 दर्ज किया गया। पुलिस ने आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से उसे रिमांड पर भेज दिया गया। तस्करी से मुक्त कराए गए सभी गौवंशों के लिए पुलिस द्वारा तत्काल उचित चारा और पानी की व्यवस्था की गई।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान मनकितन यादव (पिता नूर्तमो यादव, उम्र 19 वर्ष), निवासी ग्राम सिहारधार, थाना लैलूंगा, जिला रायगढ़ के रूप में हुई है। इस सफल कार्रवाई में थाना प्रभारी लैलूंगा उप निरीक्षक गिरधारी साव, प्रशिक्षु उप निरीक्षक प्रीतम बघेल, शुभम मिश्रा, सहायक उप निरीक्षक परमेश्वर नाथ, प्रधान आरक्षक जयशरण चन्द्रा और हमराह स्टाफ की सराहनीय एवं सक्रिय भूमिका रही। रायगढ़ पुलिस ने चेतावनी दी है कि सीमावर्ती क्षेत्रों में अवैध गौवंश तस्करी के खिलाफ "ऑपरेशन शंखनाद" के तहत ऐसी कड़ी सख्त कार्रवाइयां आगे भी निरंतर जारी रहेंगी।

कत्लखाने ले जा रहे बैल का अवैध परिवहन, फरार चालक राजनांदगांव से पकड़ाया

दुर्ग। पशुधन के लिए बैल ले जाने के मामले में सुपेला पुलिस ने फरार चालक को गिरफ्तार कर लिया है। 21 सितंबर 2026 को वाहन क्रमांक CG 06 GZ 4506 महिंद्रा जीतो प्लस में बैल का मुंह बांधकर छावनी से सुपेला होते हुए नागपुर कत्लखाने ले जाया जा रहा था। प्रिंस कसेरे की सूचना पर नेहरू नगर भिलाई में वाहन पकड़ा गया था।

मामले में अपराध क्र. 1406/26 छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम और पशु क्रूरता अधिनियम के तहत दर्ज है। परिचालक त्रिलोक पटेल पहले ही जेल जा चुका है। फरार चालक शरद यादव उर्फ शरद यदु, निवासी नंदई कुआं, बसंतपुर, राजनांदगांव को पुलिस ने राजनांदगांव से पकड़ा और 3 नवंबर को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

सोमनी हायर सेकेंडरी स्कूल में SIR को लेकर युवा संवाद कार्यक्रम



नई दृष्टिबिंदु / सोमनी

शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल सोमनी में SIR (विशेष गहन पुनरीक्षण) को लेकर युवा संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदाता सूची का शुद्ध और अद्यतन होना जरूरी है। युवाओं को रक्षमप्रक्रिया समझकर दूसरों को भी जागरूक करना चाहिए और 18 वर्ष पूर्ण कर चुके युवाओं को मतदाता सूची में नाम जुड़वाना चाहिए।

अध्यक्षता भाजपा जिला उपाध्यक्ष रोहित चंद्राकर ने की, जिन्होंने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता लोकतंत्र की विश्वसनीयता का आधार है। जन कल्याण सामाजिक संस्थान के अध्यक्ष योगेंद्र प्रताप सिंह ने युवाओं को लोकतांत्रिक मूल्यों और जागरूक नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान प्राचार्य सविता अवस्थी, देवकुमारी साहू, खिलेश्वर साहू, तरुण लहरवानी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य उपस्थित रहे।



'पेद्दी' के किरदार पर शर्मिंदगी हमेशा मेरे साथ रहेगी

अभिनेत्री जान्हवी कूपर हाल ही में शो 'कॉफी विद करण 9' में पहुंची। यहां उन्होंने अपनी फिल्म 'पेद्दी' में अपने किरदार के 'ऑब्जेक्टिफिकेशन' (वस्तु की तरह पेश किए जाने) पर बात की। उन्होंने माना कि वह 'ऑब्जेक्टिफिकेशन' को रोकने के लिए और बेहतर कर सकती थीं। उन्होंने इस फिल्म से जुड़े विवाद में अपनी भूमिका की जिम्मेदारी ली है।

बातचीत के दौरान, शो के होस्ट करण जौहर ने जान्हवी से उस आलोचना के बारे में पूछा, जो फिल्म में उनके किरदार को दिखाए जाने के तरीके को लेकर हुई थी। बुची बाबू सना के निर्देशन में बनी इस फिल्म में राम चरण अहम किरदार में थे। इस स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म में जान्हवी के किरदार को लेकर काफी विवाद हुआ था। आलोचना का जवाब देते हुए, जाह्नवी ने कहा कि यह बात उनके मन पर लगातार बोझ बनी हुई है। उन्होंने माना कि फिल्म में उनके किरदार को जिस तरह से पेश किया गया, उसे अलग तरीके से दिखाया जा सकता था। उन्होंने कहा, 'इस तरह की कहानी का हमारे समाज पर जो नकारात्मक असर पड़ सकता है, खासकर मेरे जेंडर पर, वह मेरे मन पर एक भारी बोझ की तरह है। यह शर्मिंदगी हमेशा मेरे साथ रहेगी। क्या मैं और कुछ कर सकती थी? क्या मैं और अधिक सतर्क रह सकती थी? बिल्कुल, हां। क्या यह हद से ज्यादा 'ऑब्जेक्टिफिकेशन' था? क्या इसने कहानी के जरिए यौन उत्पीड़न को भी बढ़ावा दिया? हां। लेकिन अब मैं बस इतना कर सकती हूं कि यह सुनिश्चित करूं कि ऐसा दोबारा न हो।'

अभिनेत्री ने की अच्छा करने की कोशिश

अभिनेत्री ने आगे कहा 'और हां, मुझे यह कहते हुए अच्छा नहीं लग रहा क्योंकि ऐसा लग सकता है कि मैं अपनी गलती दूसरों पर डाल रही हूं, मगर बात यह है कि आपको निर्देशक की बात सुननी पड़ती है। जैसे-जैसे मुझे जानकारी मिलती गई, मैं कोशिश करती रही कि चीजों को कम से कम खराब किया जाए। आप तो जानते ही हैं कि शायद ही कभी कोई पूरी तरह से तैयार स्क्रिप्ट मिलती है। ऐसी स्क्रिप्ट्स में भी बहुत कम ही देखने को मिलता है कि कैमरा एंगल कहां होंगे। दक्षिण में तो शायद ही कभी कोई पूरी तरह से तैयार स्क्रिप्ट होती है, उसमें भी कैमरा एंगल कहां होंगे, यह बहुत कम ही पता चलता है।'

जान्हवी कर सकतीं थीं विशेषाधिकार का इस्तेमाल

जाह्नवी ने आगे कहा कि उन्हें इंडस्ट्री में अपनी स्थिति का बेहतर इस्तेमाल करना चाहिए था, ताकि वह अपने किरदार को दिखाए जाने के तरीके पर अपनी चिंताएं जाहिर कर पातीं। उन्होंने कहा 'मुझे अपनी तरफ की जिम्मेदारी भी लेनी होगी। मैं एक ऐसी जगह से आती हूं जहां मुझे विशेषाधिकार मिले हुए हैं। मुझे इसका फायदा उठाना चाहिए था, क्योंकि वैसे भी मुझे विशेषाधिकार मिले होने के लिए आलोचना तो झेलनी ही पड़ती है। तो बेहतर होता कि मैं इसका इस्तेमाल कर लेती।'



विवेक अग्निहोत्री के साथ पहली बार काम करेंगे कार्तिक आर्यन

फिल्ममेकर विवेक अग्निहोत्री और प्रोड्यूसर भूषण कुमार दोनों मिलकर 'ऑपरेशन सिंदूर' पर आधारित एक फिल्म बनाने जा रहे हैं। यह फिल्म एक बड़े और देशभक्ति से जुड़े विषय पर होगी, जिसे लेकर अभी से काफी चर्चा शुरू हो गई है।

विवेक अग्निहोत्री की आगामी फिल्म 'ऑपरेशन सिंदूर' सच्ची घटनाओं से प्रेरित होगी। इसकी कहानी लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस 'टाइगी' ढिल्लों की किताब ऑपरेशन सिंदूर : द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ इंडियाज डीप स्ट्राइक्स इनसाइड पाकिस्तान पर आधारित है। फिल्म में 6 मई से 10 मई 2025 के बीच हुए इस ऑपरेशन की पूरी कहानी को विस्तार से दिखाया जाएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन 'ऑपरेशन सिंदूर' में मुख्य भूमिका निभाने वाले हैं। कार्तिक अपनी मौजूदा फिल्म 'कैप्टन इंडिया' का काम पूरा करने के बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' पर काम शुरू करेंगे। 'कैप्टन इंडिया' का निर्देशन शिमित अमीन कर रहे हैं। यह फिल्म यमन में हूती संघर्ष की पृष्ठभूमि पर आधारित है और फिलहाल इसकी शूटिंग चल रही है।





अहान शेट्टी की एक्शन ड्रामा फिल्म 'सनकी' की शूटिंग शुरू

'बॉर्डर 2' की सफलता के बाद अहान शेट्टी एक बार फिर एक्शन करते नजर आएंगे। वह अपनी अगली फिल्म 'सनकी' की शूटिंग शुरू करने जा रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन टीनू सुरेश देसाई कर रहे हैं, जिन्होंने 'रुस्तम' और 'मिशन रानीगंज' जैसी फिल्में बनाई हैं। ज्ञानेंद्र वासुदेव द्वारा लिखी गई 'सनकी' मूल रूप से एक प्रेम कहानी है। इसमें प्यार और भावनाओं के साथ-साथ जबरदस्त और दमदार एक्शन भी देखने को मिलेगा। फिल्म की शूटिंग 30 अक्टूबर से भोपाल में शुरू हो गई है। 'बॉर्डर 2' में अहान के अभिनय और फिल्म की बड़ी सफलता के बाद उन्होंने अपनी अगली फिल्मों का चुनाव काफी सोच-समझकर किया है। अब वह 'सनकी' से शुरुआत करेंगे। इसके बाद वह विक्रम भट्ट की फिल्म '1920 कोल्ड विंटर' में नजर आएंगे। 'सनकी' का निर्माण वी द पीपल, रोरिंग रिवर प्रोडक्शंस और पाल्स एंड पीयर्स एंटरटेनमेंट मिलकर कर रहे हैं। यह फिल्म 2027 की पहली छमाही में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।



फिल्मों और वेब सीरीज के बदलते अंदाज पर दिव्या दत्ता ने रखी अपनी राय

अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने खास बातचीत में ओटीटी प्लेटफॉर्म के कारण फिल्मों और वेब सीरीज में कहानियां कहने के बदलते अंदाज पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि अब ऐसी कहानियों पर ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है, जिनसे दर्शक खुद को जोड़ सकें। खासकर महिलाओं के किरदारों में यह बदलाव साफ दिखाई देता है। पहले जहां अभिनेत्रियों को अक्सर सीमित उम्र तक ही मुख्य भूमिकाएं मिलती थीं, वहीं अब 40 साल की उम्र के बाद भी उन्हें कई मजबूत और अलग-अलग परतों वाले किरदार निभाने का मौका मिल रहा है। दिव्या ने कहा, ''ओटीटी के आने के बाद कहानी कहने पर काफी जोर दिया जाने लगा है। अब ऐसी वास्तविक कहानियां सुनाई जा रही हैं, जिनसे लोग खुद को जोड़ सकें। मुझे लगता है कि ओटीटी ने अलग-अलग उम्र की महिलाओं के लिए अच्छे किरदारों के रास्ते खोले हैं। अब 20, 30 या 40 साल से ज्यादा उम्र की महिलाओं के लिए भी ऐसे किरदार लिखे जा रहे हैं, जिनमें अभिनय करने की काफी गुंजाइश होती है। पहले यह सोचना भी मुश्किल था कि इस उम्र की महिलाओं को किसी कहानी में मुख्य भूमिका मिल सकती है लेकिन अब किरदारों में पहले के मुकाबले ज्यादा गहराई देखने को मिलती है।'' एक्ट्रेस ने कहा, ''ओटीटी ने इसानी व्यवहार को ज्यादा वास्तविक तरीके से दिखाने का मौका दिया है। किसी मुश्किल परिस्थिति में हर इंसान की प्रतिक्रिया अलग हो सकती है। गुस्सा करना या गलती कर बैठना किसी व्यक्ति को पूरी तरह अच्छा या बुरा नहीं बना देता। हर इंसान के व्यक्तित्व में कई पहलू होते हैं और ओटीटी ने किरदारों में इन्हीं पहलुओं को जगह दी है और अच्छी लेखनी को बढ़ावा दिया है।'' ओटीटी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि दर्शक अपनी सुविधा के अनुसार, अपनी पसंद के समय पर और अपनी जरूरत के हिसाब से कुछ भी देख सकते हैं। वे चाहें तो अकेले देख सकते हैं या परिवार के साथ बैठकर इसका आनंद ले सकते हैं। जब दर्शकों को इस तरह की स्वतंत्रता मिलती है, तो मनोरंजन की दुनिया में भी बदलाव आता है।''





धूम गर्ल की इमेज पर बोलीं ईशा देओल

कहा- मुझे इस पहचान पर गर्व है

अभिनेत्री ईशा देओल एक्शन-क्राइम ड्रामा फिल्म 'प्रताप' की रिलीज के लिए तैयार हैं। अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें गर्व होता है, जब लोग उन्हें आइकॉनिक 'धूम गर्ल' वाली इमेज से याद करते हैं। ईशा देओल ने बातचीत में कहा, 'यह पहचान उनके करियर का एक यादगार हिस्सा है और आज भी फैंस के बीच काफी पसंद की जाती है।' उन्होंने कहा, 'मैंने इस पहचान को गर्व के साथ अपनाया है और यही मेरी पहचान है। जब भी लोग मुझे दिलबरा और धूम गर्ल कहकर बुलाते हैं, तो मुझे अच्छा लगता है, क्योंकि इस इमेज ने दर्शकों के सामने मुझे पहचान दी है, जो बहुत से एक्टर्स को नहीं मिल पाती है।' ईशा देओल ने अपनी मां हेमा मालिनी का उदाहरण देते हुए कहा, 'मेरी मां ने अपने लंबे करियर में बहुत-सी फिल्मों में काम किया है, लेकिन लोग आज भी उन्हें देखते ही कहते हैं, 'बसंती आई है।' मैं बहुत खुशकिस्मत हूं कि मुझे अपने करियर में 'दिलबरा' और 'धूम गर्ल' कहा जाता है और मुझे इससे बहुत प्यार है। कोई शिकायत नहीं है।'

बता दें कि अभिनेत्री ईशा देओल को 'धूम गर्ल' की इमेज साल 2004 में यशराज फिल्म्स की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'धूम' से मिली थी। फिल्म में ईशा ने 'शीना' का किरदार निभाया था। इसमें उनके आधुनिक, स्टाइलिश और बोल्ड लुक्स ने दर्शकों का ध्यान खींचा था। इस फिल्म के गाने 'दिलबरा' में ईशा के लुक (नियॉन ग्रीन क्रॉप टॉप और डेनिम मिनी-स्कर्ट वाला वेट गर्ल लुक) ने उन्हें रातों-रात चर्चा में ला दिया था। फिल्म रिलीज होने के बाद दर्शकों ने उन्हें 'धूम गर्ल' कहकर पुकारना शुरू कर दिया था, जो उनकी पहचान बन गई थी। अभिनेत्री की बात करें, तो वह फिल्म 'प्रताप' में 'पूनम' (पूनम रानाडे) का किरदार निभा रही हैं। फिल्म में अमित साध मुख्य किरदार 'प्रताप रानाडे' (एक एनकाउंटर स्पेशलिस्ट) की भूमिका निभा रहे हैं, और पूनम इस कहानी में एक अहम और मजबूत पक्ष हैं।

फिल्मों में काम दिलाने पर सैफ को लेकर बोलीं सारा अली खान



अभिनेत्री सारा अली खान अपनी फिल्म 'उड़ता तीर' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उन्होंने अपने पारिवारिक बैकग्राउंड को लेकर चल रही चर्चाओं पर बात की है। उन्होंने साफ किया कि उनके पिता और अभिनेता सैफ अली खान ने कभी भी उनके फिल्म कॉन्ट्रैक्ट्स पर बातचीत नहीं की। उन्होंने एक मशहूर फिल्मी परिवार से आने के दोहरे पहलुओं पर चर्चा की।

पिता ने नहीं की सिफारिश

फिल्मफेयर से बातचीत में सारा ने कहा, 'मैं अपनी सिंगल मदर के साथ रहती हूं। मेरे पिता कभी किसी ऑफिस में जाकर मेरे कॉन्ट्रैक्ट्स पर बातचीत नहीं करते थे और न ही उन्होंने कभी किसी से मुझे अपनी फिल्मों में लेने की गुजारिश की। जब मुझे 'केदारनाथ' के समय कोई परेशानी हुई, तो मैंने उसे खुद ही सुलझाया। उस वक्त मेरे साथ कोई नहीं था। यह एक दोधारी तलवार की तरह है, क्योंकि इंडस्ट्री में मेरा कोई गॉडफादर नहीं रहा है।'

पारिवारिक पृष्ठभूमि का मिला फायदा

सारा ने माना कि अपने परिवार की वजह से उन्हें कुछ खास फायदे जरूर मिले हैं। उन्होंने कहा कि वह इतनी नासमझ या भ्रम में नहीं हैं कि उन मौकों को न देख सकें जो उनके पारिवारिक बैकग्राउंड की वजह से उन्हें शुरुआत में मिल गए थे। हालांकि, उनका यह भी मानना है कि लगातार होने वाली जांच-परख की वजह से उन पर उम्मीदों का बोझ डाल दिया जाता है।

नेपोटिज्म पर क्या बोलीं सारा

सारा ने इस बात पर जोर दिया कि 'नेपोटिज्म' (भाई-भतीजावाद) शब्द को पूरी तरह से नकारात्मक बना दिया गया है। उन्होंने तर्क दिया कि यह उन स्टार किड्स जैसे कि खुद सारा, जाह्नवी कपूर और अनन्या पांडे की कड़ी मेहनत को कम करके आंकता है, जबकि अपने माता-पिता को चुनने में इन कलाकारों का कोई हाथ नहीं था।

इंडस्ट्री में टिके रहने पर बोलीं सारा

सारा ने यह तो माना कि उन्हें और उनके साथियों को ऐसे शानदार डेब्यू मिले, जिनके लिए कई नए कलाकार तरसते हैं, लेकिन उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर खुद को साबित करने का बोझ हमेशा उन्हीं के कंधों पर क्यों रहता है? हिंदी सिनेमा में अपने आठ साल के सफर के बाद, उनका कहना है कि अब उन्हें बार-बार यह साबित करने की जरूरत नहीं पड़नी चाहिए कि वह इंडस्ट्री में अपनी जगह की हकदार हैं। सारा ने कहा कि भले ही शुरुआत में मिलने वाले फायदे से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन लंबे समय तक टिके रहने के लिए अपनी जिम्मेदारी खुद लेना और स्वतंत्र होना बहुत जरूरी है।

सारा अली खान का वर्क फ्रंट

सारा हाल ही में निर्देशक आकाश ए. कौशिक की फिल्म 'उड़ता तीर' में नजर आईं। फिल्म में आयुष्मान खुराना, राहुल बोस, राम कपूर, गुलशन ग्रोवर, रघुवीर यादव, बृजेंद्र काला, संदीप आनंद और अन्य कलाकार भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस ठीक-ठाक प्रदर्शन कर रही है। इस फिल्म छह दिनों में बॉक्स ऑफिस पर 26.87 करोड़ रुपये कमाए हैं।



राज्योत्सव हमारी सांस्कृतिक अस्मिता, गौरवशाली विरासत और विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प का प्रतीक : मंत्री बघेल

खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में राज्योत्सव का भव्य आयोजन, खाद्य मंत्री बघेल मुख्य अतिथि के रूप में हुए शामिल

खैरागढ़-छुईखदान-गंडई

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के गौरवशाली अवसर पर खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के राज फतेह सिंह खेल मैदान में राज्योत्सव 2026 का भव्य एवं गरिमामय आयोजन किया गया। समारोह में प्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री दयालदास बघेल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने राज्योत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह उत्सव छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, गौरवशाली परंपराओं और विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प का प्रतीक है।

मुख्य अतिथि श्री बघेल ने राज्योत्सव के अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए प्रदर्शनी स्टॉलों का अवलोकन किया। उन्होंने शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, विभागीय उपलब्धियों एवं विकासात्मक गतिविधियों की जानकारी ली तथा विभिन्न कार्यक्रमों के उद्घाटन में सहभागिता



की। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। जनकल्याण और विकास के कार्यों में जनसहभागिता की महत्वपूर्ण भूमिका है।

समारोह में छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोककला, लोकसंस्कृति और गौरवशाली परंपराओं की मनमोहक छटा बिखरी। रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने राज्योत्सव को उत्साह और उल्लास से सराबोर कर दिया। लोक कलाकारों ने अपनी आकर्षक प्रस्तुतियों के माध्यम से छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक



विविधता, पारंपरिक कला और लोकजीवन की सुंदर झलक प्रस्तुत की। खाद्य मंत्री श्री बघेल ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लिया तथा कलाकारों की प्रतिभा और प्रस्तुतियों की सराहना की।

खाद्य मंत्री श्री बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान केवल उसकी प्राकृतिक संपदा और विकास की संभावनाओं से ही नहीं, बल्कि यहां की अनूठी लोकसंस्कृति, परंपराओं, कला और मेहनतकश लोगों से भी है। राज्योत्सव हमें अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने के साथ प्रदेश की विकास यात्रा पर गर्व करने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश के सर्वांगीण विकास, जनकल्याण और समृद्धि के लिए निरंतर कार्य कर रही है। किसानों, महिलाओं, युवाओं, श्रमिकों तथा समाज के सभी वर्गों के सशक्तिकरण के साथ विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं।

मंत्री श्री बघेल ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे छत्तीसगढ़ की गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन के साथ विकास की इस यात्रा में सहभागी बनें। उन्होंने कहा कि सामूहिक संकल्प, एकजुटता और जनभागीदारी से ही छत्तीसगढ़ को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है। राज्योत्सव का यह भव्य आयोजन छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक अस्मिता, लोकपरंपराओं और विकास के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता का जीवंत प्रतीक बना।

खास खबर

पीएम केयर्स योजना से मोनिका बघेल के खाते में पहुंचे 10 लाख रुपये, 23 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर मिली एकमुश्त सहायता



नई दृष्टिबिंदु / बालोद

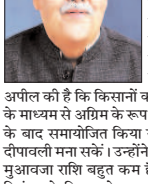
पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के अंतर्गत बालोद जिले की बालिका सुश्री मोनिका बघेल को 23 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर 10 लाख रुपये की एकमुश्त सहायता राशि प्रदान की गई है। भारत सरकार की ओर से यह राशि उनके बैंक खाते में अंतरित की गई। इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने मोनिका को डेमो चेक प्रदान किया।

कार्यक्रम में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, अपर कलेक्टर, जिला कार्यक्रम अधिकारी और जिला बाल संरक्षण अधिकारी उपस्थित रहे। इसके साथ ही गैर-संस्थागत देखरेख एवं संस्थागत देखरेख के संरक्षण अधिकारी, मिशन शक्ति के परियोजना समन्वयक, मिशन वात्सल्य के अधिकारी-कर्मचारी तथा मोनिका के संरक्षक भी मौजूद रहे।

पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना की शुरूआत 29 मई 2021 को कोविड-19 महामारी से प्रभावित उन बच्चों को सहायता देने के उद्देश्य से की गई थी, जिन्होंने महामारी के दौरान अपने माता-पिता, कानूनी अभिभावक या दत्तक माता-पिता को खो दिया था। योजना के तहत प्रत्येक पात्र बच्चे के नाम पर 10 लाख रुपये का कॉर्पस फंड तैयार किया जाता है। 18 वर्ष की आयु पूरी करने के बाद बच्चे को 23 वर्ष की आयु तक मासिक वित्तीय सहायता दी जाती है। 23 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर कॉर्पस फंड की 10 लाख रुपये की राशि एकमुश्त प्रदान की जाती है।

योजना में बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए भी प्रावधान किए गए हैं। पात्र बच्चों को आयुष्मान भारत योजना के तहत स्वास्थ्य बीमा कवर उपलब्ध कराया जाता है। स्कूली शिक्षा के लिए आयु के अनुसार विद्यालय में प्रवेश और उच्च शिक्षा के लिए शैक्षणिक सहयोग की व्यवस्था भी योजना का हिस्सा है। इस सहायता का उद्देश्य बच्चों को सुरक्षित भविष्य, शिक्षा और आत्मनिर्भरता की दिशा में सहयोग देना है।

भाजपा किसान नेता अशोक चौधरी ने CM से की किसानों को राहत राशि देने की मांग



नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

भाजपा किसान नेता अशोक चौधरी ने कहा कि जिले में किसानों की फसल बड़ी मात्रा में खराब हो चुकी है। धान खरीदी में अभी 15 दिन शेष हैं और एक सप्ताह में दीपावली है, ऐसे में किसानों की आर्थिक स्थिति बेहद खराब है। चौधरी ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से अपील की है कि किसानों को प्रति एकड़ 5000 रुपए सोसायटियों के माध्यम से अग्रिम के रूप में दिया जाए, जिसे बाद में धान खरीदी के बाद समायोजित किया जा सकता है, ताकि किसान खुशी से दीपावली मना सकें। उन्होंने कहा कि धारा 6/4 के तहत दी जा रही मुआवजा राशि बहुत कम है। 21 क्विंटल धान 3100 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से 65000 रुपए से अधिक का होता है, जबकि लागत 22-25 हजार प्रति एकड़ है, ऐसे में 13,000 रुपए प्रति हेक्टेयर यानी लगभग 4300 रुपए प्रति एकड़ मुआवजा राहत की बजाय झापड़ जैसा है।

उन्होंने मुख्यमंत्री और कृषि मंत्री से मांग की है कि 6/4 के नियम में उदारता बरतते हुए कम से कम 10,000 रुपए प्रति एकड़ राहत राशि प्रदान की जाए।

लोक निर्माण विभाग के सचिव ने जिले में निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

संयुक्त जिला कार्यालय भवन, सर्किट हाउस, अमनेर नदी पर पुल एवं सड़क निर्माण की प्रगति का लिया जायजा

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

निर्धारित गुणवत्ता और मानकों के अनुरूप समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देश

लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल ने आज खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के प्रवास के दौरान लोक निर्माण विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने संयुक्त जिला कार्यालय भवन, सर्किट हाउस, खैरागढ़ बायपास मार्ग पर अमनेर नदी में निर्माणाधीन उच्चस्तरीय पुल तथा सड़क चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसियों को निर्धारित गुणवत्ता और तकनीकी मानकों के अनुरूप कार्य समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

18.75 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे संयुक्त जिला कार्यालय भवन का किया निरीक्षण

सचिव श्री बंसल ने 18.75 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन संयुक्त जिला कार्यालय भवन का निरीक्षण कर विभिन्न हिस्सों में चल रहे कार्यों की जानकारी ली। कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग श्री राठौड़ा ने बताया कि भवन के भूतल में स्तंभ निर्माण का कार्य पूर्ण हो चुका है। प्रथम तल के ब्लॉक ए में स्लैब एवं शटरिंग का कार्य प्रगति पर है, जबकि ब्लॉक बी एवं सी में स्तंभ स्तर तक कार्य पूर्ण कर लिया गया है। संयुक्त जिला कार्यालय भवन का निर्माण जून 2027 तक पूर्ण किया जाना है।

सर्किट हाउस का निर्माण मार्च 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य

खैरागढ़ में 3.04 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन सर्किट हाउस का भी निरीक्षण किया गया। सचिव ने मौके पर निर्माण की वर्तमान स्थिति का जायजा लिया। भवन के ऊपरी ढांचे



का निर्माण कार्य प्रगति पर है। सर्किट हाउस का निर्माण मार्च 2027 तक पूर्ण किया जाना है।

अमनेर नदी पर निर्माणाधीन उच्चस्तरीय पुल की प्रगति की समीक्षा

सचिव श्री बंसल ने खैरागढ़ बायपास मार्ग पर अमनेर नदी में निर्माणाधीन उच्चस्तरीय पुल का निरीक्षण किया। पुल के दोनों एबटमेंट का कार्य पूर्ण हो चुका है। वहीं पांच में से पांच पियर, छह में से तीन स्पैन तथा छह में से एक स्पैन की ढलाई का कार्य प्रगति पर है। पुल निर्माण कार्य फरवरी 2027 तक पूर्ण किया जाना है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी को निर्धारित समय-सीमा के अनुरूप कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

सड़क चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य में बाधाएं शीघ्र दूर करने के निर्देश

निरीक्षण के दौरान राज्य मार्ग क्रमांक 05 के अंतर्गत खैरागढ़ संभाग में चल रहे 10.40 किलोमीटर सड़क चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य का भी जायजा लिया गया। सचिव ने मार्ग में 10 किलोमीटर डीबीएम कार्य, 400 मीटर क्षेत्र में वृक्ष कटाई तथा पाइपलाइन एवं विद्युत पोल स्थानांतरण से संबंधित बाधाओं को शीघ्र दूर करने के निर्देश दिए, ताकि निर्माण कार्य आगे बढ़ाया जा सके।

निरीक्षण के दौरान लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता डीके भतपहरी, दुर्ग परिक्षेत्र के मुख्य अभियंता एनके जैन, अधीक्षण अभियंता श्रीमती अर्पणा चौरागा, खैरागढ़ संभाग के कार्यपालन अभियंता एलएनएस राठौर, सेतु संभाग दुर्ग के कार्यपालन अभियंता चंद्रकिशोर पाण्डेय, विद्युत एवं यांत्रिकी संभाग दुर्ग के कार्यपालन अभियंता अब्दुल कादिर सहित संबंधित विभागीय अधिकारी, उपअभियंता एवं निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

छग की कला-संस्कृति की 21 प्रस्तुतियों से सजा सारंगढ़ राज्योत्सव का मंच



नई दृष्टिबिंदु / सारंगढ़

सारंगढ़ के खेलभाठा मैदान में आयोजित जिला स्तरीय राज्योत्सव की सांस्कृतिक संध्या छत्तीसगढ़ की लोककला, परंपरा और विविध नृत्य-संगीत विधाओं के रंगों से सजी। कुल 21 प्रस्तुतियों में लोकनृत्य, शास्त्रीय नृत्य, संगीत और नाट्य का सुंदर संगम देखने को मिला। अतिथियों ने जिलेवासियों के साथ दर्शक दीर्घा में बैठकर कार्यक्रम का आनंद लिया और तालियों से कलाकारों तथा प्रतिभागियों का मनोबल बढ़ाया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आरंभ छत्तीसगढ़ के लोक कलाकारों से हुआ। कन्या छात्रावास सारंगढ़ की छात्राओं ने सुआ नृत्य प्रस्तुत किया। कु. अनुपा केशरवानी और अपेक्षा केशरवानी ने कथक, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सारंगढ़ की छात्राओं ने संभलपुरी नृत्य प्रस्तुत किया। मिशिका गुप्ता और आयुषी केशरवानी की ओडिशी प्रस्तुतियों ने शास्त्रीय नृत्य की सुंदर छटा बिखेरी। इन प्रस्तुतियों से लोक और शास्त्रीय कला की विविधता मंच पर उभरकर आई।

आगे एलपी वैष्णव संगत के बजरंग चौहान की सितार-तबला जुगलबंदी ने संगीतप्रेमियों को मंत्रमुग्ध किया। मां वैष्णवी संगीत महाविद्यालय के समूह कथक, शाउमा विद्यालय हरदी के आदिवासी नृत्य और बिलाईगढ़ के बेलटुकरी के जशगीत हाई स्पीड कार्यक्रम को दर्शकों ने खूब सराहा। प्रांजल दिव्यांग स्कूल के विद्यार्थियों की नृत्य प्रस्तुति और सुभी दुबे के ओडिशी नृत्य ने भी दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया।

आदिवासी विकास विभाग के पंथी नृत्य और छिंद के आदर्श ज्योति विद्या मंदिर के राउत नाचा ने छत्तीसगढ़ की लोकपरंपराओं को जीवंत किया। कु. अलिशु सिदार ने कथक और अनुराधा अग्रवाल ने भरतनाट्यम प्रस्तुत किया। सी.पी.एम. स्कूल के विद्यार्थियों ने नाटक प्रस्तुत किया, जबकि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बरमकेला के कर्मा नृत्य और अनुसूचित जनजाति कन्या छात्रावास की छात्राओं के आदिवासी नृत्य ने कार्यक्रम में क्षेत्रीय संस्कृति के रंग जोड़े।

रायगढ़ लोकसभा क्षेत्र के सांसद राधेश्याम राठिया मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए साथ ही जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पाण्डेय, नगर पालिका अध्यक्ष सोनी अजय बंजारे और पूर्व विधायक केराबाई मनहर और शमशेर सिंह सारथी, ज्योति पटेल, भुवन मिश्रा और बेदराम जांगड़े, कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ऋषिकेश तिवारी, अपर कलेक्टर चंद्रकांत कौशिक और सारंगढ़ एसडीएम दशरथ राजपूत सहित प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच, 16 विधिक एवं 15 सर्विलांस नमूने जांच के लिए भेजे गए

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

मिलावट की शिकायत के लिए हेल्पलाइन नंबर 9340597097 पर दें सूचना

दशहरा एवं दीपावली पर्व के दौरान आम नागरिकों को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने जिले में विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया। इस दौरान किराना दुकानों, होटलों, रेस्टोरेंट, डेयरियों एवं खाद्य विनिर्माण प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों के नमूने जांच के लिए संग्रहित किए गए।

नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन तथा कलेक्टर के निर्देशानुसार उप संचालक डॉ. अनिल कुमार शुक्ला के मार्गदर्शन में अभिहित अधिकारी सिद्धार्थ पाण्डेय, खाद्य सुरक्षा अधिकारी दीपक कुमार धृतलहरे एवं विभागीय कर्मचारियों की टीम ने कार्रवाई की। टीम ने खैरागढ़, छुईखदान, गंडई, नर्मदा, टेलकाडीह एवं जालबांधा के विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया।



अभियान के दौरान मिठाइयों, दुग्ध उत्पादों, खाद्य तेल, मसालों, आटा सहित विभिन्न खाद्य पदार्थों के कुल 16 विधिक एवं 15 सर्विलांस नमूने संग्रहित कर जांच के लिए भेजे गए। विभाग के अनुसार पूर्व में संग्रहित नमूनों की जांच में अमानक एवं असुरक्षित पाए गए खाद्य पदार्थों, बिना खाद्य अनुज्ञप्ति अथवा पंजीयन के कारोबार तथा अन्य खाद्य सुरक्षा संबंधी उल्लंघनों के प्रकरण माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किए जाएंगे।

विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि पैकेटबंद खाद्य सामग्री खरीदते समय बैच नंबर, पैकिंग तिथि, एक्सपायरी तिथि एवं अन्य अंकित जानकारी अवश्य देखें। खाद्य कारोबारियों को अपने प्रतिष्ठानों में सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थों का विक्रय, भंडारण, प्रदर्शन एवं विनिर्माण करने की समझाइश दी गई है।

किसी भी प्रतिष्ठान में मिलावटी अथवा दूषित खाद्य पदार्थ बेचे जाने का संदेह होने पर नागरिक खाद्य सुरक्षा विभाग के हेल्पलाइन नंबर 9340597097 पर सूचना दे सकते हैं, ताकि त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। विभाग ने बताया कि जिले में खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच एवं निगरानी लगातार जारी रहेगी।

राज्य स्थापना दिवस

शिक्षा मंत्री ने जनकल्याणकारी योजनाओं के स्टॉलों का किया अवलोकन, योजनाओं से आमजन के जीवन में आ रहे सकारात्मक बदलावों की ली जानकारी

सशक्त नारी और युवा उड़ान की थीम पर आयोजित जिला स्तरीय राज्योत्सव में शामिल हुए शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर राजनांदगांव जिला के मुख्यालय में आयोजित जिला स्तरीय राज्योत्सव में प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। सशक्त नारी - युवा उड़ान की थीम पर आयोजित राज्योत्सव में महिला सशक्तिकरण, युवाओं के सपनों और आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ की संकल्पना को आकर्षक ढंग से प्रदर्शित किया गया।

मुख्य अतिथि स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने राज्योत्सव में शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं पर आधारित विभागीय स्टॉलों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से योजनाओं के क्रियान्वयन, उपलब्धियों तथा इन योजनाओं के माध्यम से आमजन के जीवन में आ रहे सकारात्मक बदलावों की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनियों का अवलोकन किया।





राज्योत्सव में सशक्त नारी-युवा उड़ान की थीम के माध्यम से महिलाओं की आत्मनिर्भरता, सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण तथा युवाओं की प्रतिभा, आकांक्षाओं और उज्ज्वल भविष्य की संकल्पना को प्रमुखता से प्रस्तुत किया गया। विभिन्न विभागीय स्टॉलों के माध्यम से राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी नागरिकों को दी गई।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को सम्मानित किया। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समर्पण, कर्तव्यनिष्ठा तथा बेहतर सेवाओं की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने जनहित से जुड़े कार्यों को पूरी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ संपादित करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण वैष्णव, महापौर मधुसूदन यादव, पूर्व सांसद प्रदीप गांधी, पूर्व विधायक रामजी भारती, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती किरण साहू, भरत वर्मा, दिनेश गांधी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, जिला प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में शहर के नागरिक उपस्थित रहे।

अमेरिका के सेंट लुइस में चमका भिलाई का नाम

मयंक व डॉ. अंशु के नेतृत्व में हिंदी-यूएसए ने धूमधाम मनाया गया नौवां नवरात्रि व दीपावली महोत्सव





नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

'हिंदी-यूएसए' सेंट लुइस' द्वारा मिसौरी के हिंदू मंदिर सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित वार्षिक उत्सव में भारतीय संस्कृति व भाषा के प्रचार-प्रसार का दिखा अनुपम दृश्य

अमेरिका के मिसौरी राज्य स्थित सेंट लुइस में भारतीय भाषा और संस्कृति की अलख जगा रही गैर-लाभकारी संस्था ह्यहिंदीयूएसए सेंट लुइसह्न ने अपना नौवां वार्षिक नवरात्रि एवं दीपावली महोत्सव अत्यधिक उत्साह और भव्यता के साथ आयोजित किया।मिसौरी के सेंट लुईस स्थित हिंदू मंदिर के सांस्कृतिक केंद्र में संपन्न हुए इस भव्य सांस्कृतिक समागम में भिलाई की माटी से जुड़े मयंक जैन और उनकी धर्मपत्नी डॉ. अंशु जैन की केंद्रीय और सक्रिय भूमिका प्रमुखता से नजर आई। दोनों के कुशल मार्गदर्शन और समर्पित प्रयासों के चलते इस प्रवासी भारतीय आयोजन ने अमेरिका की धरती पर अपनी एक विशिष्ट छाप छोड़ी, जिसमें पाठशाला के 175 विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों और आमंत्रित मित्रों सहित 500 से अधिक लोगों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के सफल आयोजन और संयोजन में आयोजन समिति की प्रमुख डॉ. अंशु जैन ने अग्रिम पंक्ति में रहकर नेतृत्व संभाला। डॉ. अंशु जैन के दिशा-निर्देशन में शिक्षकों, अभिभावकों और स्वयंसेवकों की टीम ने हर व्यवस्था को त्रुटिहीन बनाया। समारोह का आधिकारिक शुभारंभ हिंदी-यूएसए के शिक्षकों द्वारा माँ दुर्गा की भक्तिमय आरती से हुआ, जिसके पश्चात पूरा प्रांगण गरबा और डांडिया की ताल पर झूम उठा।

पारंपरिक और रंग-बिरंगी भारतीय परिधानों में सजे बच्चों व परिवारों ने पूरे माहौल को उत्सव के अनोखे रंगों से भर दिया। बच्चों के मनोरंजन और सहभागिता के लिए विशेष गतिविधियां आयोजित की गई, जिसमें आकर्षक पुरस्कारों वाली रैफल प्रतियोगिता, फेस पेंटिंग और बैलून आर्ट शामिल थे। इसके साथ ही भारतीय स्वाद और कला को बढ़ावा देने के लिए तीन स्वादिष्ट फूड वेंडर्स और तीन मर्चेंडाइज स्टॉल भी सजाए गए थे।

हिंदी-यूएसए सेंट लुइस के प्रमुख मयंक जैन ने संस्था के उद्देश्यों और इस आयोजन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि संस्था बीते नौ वर्षों से निरंतर अमेरिका में पली-बढ़ी नई पीढ़ी को हिंदी भाषा और समृद्ध भारतीय संस्कृति से जोड़ने का पावन कार्य कर रही है।

मयंक जैन ने कहा कि सुदूर देश में इस तरह के वृहद आयोजन बच्चों को अपनी जड़ों और सांस्कृतिक विरासत को गहराई से समझने तथा भारतीय त्योहारों को आपसी एकजुटता के साथ मनाने का अमूल्य अवसर प्रदान करते हैं। शाम का मुख्य आकर्षण लाइसेंस प्राप्त पेशेवरों द्वारा संचालित की गई शानदार आतिशबाजी रही, जिसने आसमान को रोशन कर दिया। आतिशबाजी के उपरांत सभी परिवारों ने गरबा, डांडिया और डीजे के लोकप्रिय बॉलीवुड संगीत पर देर रात तक उत्सव का आनंद लिया।

संस्था द्वारा इस वर्ष सुरक्षा मानकों पर विशेष ध्यान दिया गया था। पूरे कार्यक्रम के दौरान सेंट लुइस पुलिस बल की मुस्तैद मौजूदगी रही और प्रांगण में प्रवेश केवल हिंदी-यूएसए के विद्यार्थियों, उनके परिजनों एवं पंजीकृत आमंत्रितों तक सीमित रखा गया। कार्यक्रम के समापन पर मयंक जैन और डॉ. अंशु जैन के साथ संस्था की पूरी कार्यकारिणी ने आयोजन को ऐतिहासिक बनाने के लिए सभी समर्पित शिक्षकों, अभिभावकों, स्वयंसेवकों, सहयोगियों तथा उपस्थित जनसमूह का सहृदय आभार व्यक्त किया।



ब्लास्ट फर्नेस-8 महामाया ने रचा नया कीर्तिमान अक्टूबर में 2.79 लाख टन हॉट मेटल उत्पादन



नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के ब्लास्ट फर्नेस-8 (महामाया) ने अक्टूबर 2026 में अब तक का सर्वश्रेष्ठ मासिक प्रदर्शन दर्ज किया है।

BF-8 ने अक्टूबर में 2,79,073 टन हॉट मेटल का उत्पादन कर मार्च 2026 के अपने पिछले रिकॉर्ड 2,68,355 टन और अक्टूबर 2025 के 2,50,936 टन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

साथ ही औसत दैनिक उत्पादन में भी नया रिकॉर्ड बना। अक्टूबर 2026 में औसत 9,002 टन प्रतिदिन उत्पादन हुआ, जो अप्रैल 2025 के 8,705 टन के पिछले रिकॉर्ड से अधिक है।

BF-8 के उत्कर्ष में आयोजित समारोह में मुख्य महाप्रबंधक (आयरन) मनोज कुमार और मुख्य महाप्रबंधक (BF) विवेक वर्मा ने केक काटकर टीम को बधाई दी और सामूहिक प्रयासों की सराहना की।

ब्लास्ट फनेर्सों की दक्षता बढ़ाने पर दो दिवसीय "लियो" वर्कशॉप का शुभारंभ



सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा भिलाई निवास के बहुउद्देशीय सभागार में 3-4 नवंबर को दो दिवसीय कार्यशाला 'लर्निंग फ्रॉम इच अदर' (LEO) का आयोजन किया जा रहा है।

कार्यशाला का उद्घाटन निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र ने ED (HR) पवन कुमार और ED (Works) राकेश कुमार की उपस्थिति में किया। वर्कशॉप में राउरकेला, दुगार्पुर, बोकारो, RDCIS, ISP बर्नपुर और भिलाई स्टील प्लांट के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। 'लार्ज एंड मिड वॉल्यूम ब्लास्ट फर्नेस में ऑपरेशनल चैलेंजेस एंड बेस्ट प्रैक्टिसेज' विषय पर अनुभव साझा किए जा रहे हैं।

निदेशक प्रभारी ने कहा कि अलग-अलग संयंत्रों की बेस्ट प्रैक्टिसेज साझा करने से परिचालन दक्षता में सुधार होगा।

सांसद विजय बघेल ने सुरक्षा अधिकारी गोविंद दीक्षित को दी भावभीनी विदाई



नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भिलाई

सांसद विजय बघेल की सुरक्षा में पदस्थ सुरक्षा अधिकारी गोविंद दीक्षित के सेवानिवृत्त होने पर वृंदावन होटल इंटरनेशनल, दुर्ग में विदाई समारोह आयोजित किया गया। सांसद बघेल ने धर्मपत्नी रंजनी बघेल और परिवार के साथ गोविंद दीक्षित को पुष्पगुच्छ भेंट कर शुभकामनाएं दीं।

सांसद ने कहा कि वर्ष 2008 से 2026 तक लगभग 18 वर्षों की सेवा में दीक्षित ने पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कर्तव्य का निर्वहन किया। सुरक्षा व्यवस्था में उनका योगदान सराहनीय और स्मरणीय रहेगा। सेवानिवृत्ति जीवन का अंत नहीं, नए अध्याय की शुरुआत है। समारोह में सांसद कार्यालय के पदाधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

राहुल गांधी के जनसमर्थन से घबराई मोदी सरकार, दिल्ली की महारैली ने दिखाया देश का मिजाज : अरुण वोरा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नई दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में आयोजित 'वोट बचाओ - देश बचाओ' महारैली में उमड़े जनसैलाब को लेकर दिल्ली प्रवास से लौटे छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं दुर्ग शहर के पूर्व विधायक अरुण वोरा ने कहा -1 नवंबर 2026 की तारीख भारतीय लोकतंत्र के संघर्ष और जनभागीदारी के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय के रूप में दर्ज होगी। प्रेस से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जी के नेतृत्व में रामलीला मैदान में जो दृश्य दिखाई दिया, वह पिछले तीन दशकों में देखने को नहीं मिला।

देश के कोने-कोने से लोग वोट चोरी के खिलाफ जारी लड़ाई को अपना समर्थन देने दिल्ली पहुँचे। 19 विपक्षी दलों के राष्ट्रीय नेताओं, अध्यक्षों, जनप्रतिनिधियों और हजारों कार्यकर्ताओं की भागीदारी ने वोट चोर गद्दी छोड़ गठबंधन की एकजुटता को प्रदर्शित किया। छत्तीसगढ़ से भी हजारों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इस महारैली में हिस्सा लिया।



वोरा ने अपने दिल्ली प्रवास का अनुभव साझा करते हुए बताया कि 1 नवंबर को दिल्ली पहुँचे लोगों ने बाजारों में खरीदारी कर स्थानीय व्यापारियों को लाभ पहुँचाया। उन्होंने स्वयं कनॉट प्लेस में मिठाइयाँ खरीदीं। उन्होंने कहा कि आयोजन से पहले यह आशंका जताई जा रही थी कि महारैली के कारण दिल्ली के व्यापारियों को नुकसान होगा।

वोरा ने कहा कि वोट नागरिक की लोकतांत्रिक पहचान है ।जब किसी नागरिक का नाम मतदाता सूची से हटता है, तो उसके मताधिकार पर सीधा असर पड़ता है ।वोरा ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में देशभर में लगभग 13 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे गए हैं, जिससे बड़ी संख्या में लोगों को उनके मताधिकार से वंचित किए जाने का खतरा पैदा हुआ है। और इस विषय पर निर्वाचन आयोग को स्पष्टता देनी चाहिए ।भाजपा सरकार ने सरकारी संस्थाओं का दुरुपयोग किया है और देश की संपत्ति चंद उद्योगपतियों के हाथों में सिमटती जा रही है।

वोरा ने आगे कहा कि राहुल गांधी जी के साथ आज पूरा देश इस लड़ाई में खड़ा है। जनता का यह आक्रोश आने वाले समय में सत्ता परिवर्तन का आधार बनेगा। रामलीला मैदान से उठी आवाज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार तक जनता का संदेश पहुँचा दिया है ।विपक्ष का यह प्रयास उन्हें जवाबदेही से बचने नहीं देगा।

CCTNS 2.0 और न्यायश्रुति ऐप से सुगम हुई न्यायालयीन प्रक्रिया, असमर्थ साक्षी की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से हुई पेशी

दुर्ग।दुर्ग पुलिस द्वारा CCTNS 2.0 और न्यायश्रुति ऐप के माध्यम से न्यायालयीन प्रक्रिया को सुगम बनाया जा रहा है। जिले के समस्त थानों से साक्षियों और पुलिस अधिकारियों की ऑनलाइन उपस्थिति सुनिश्चित की जा रही है। इसी क्रम में थाना पुरानी भिलाई में आबकारी एक्ट के एक मामले में चलने-फिरने में असमर्थ साक्षी की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेशी कराई गई। न्यायालय के निर्देश पर थाना पुरानी भिलाई पुलिस ने तकनीकी व्यवस्था कर साक्षी को ऑनलाइन जोड़ा, जिससे उसे व्यक्तिगत रूप से कोर्ट आने की परेशानी से राहत मिली। दुर्ग पुलिस ने बताया कि इस व्यवस्था से न्यायालयीन कार्य में समय की बचत और अनावश्यक आवागमन में कमी आई है। विशेषकर शारीरिक रूप से असमर्थ व्यक्तियों के लिए यह सुविधा बेहद उपयोगी साबित हो रही है।

बार और रॉड मिल में सतर्कता जागरूकता कार्यशाला का हुआ आयोजन

प्रत्येक कर्मचारी को सतर्कता संबंधी नियमों व प्रावधानों की जानकारी रखनी चाहिए

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र के बार एवं रॉड मिल विभाग में सतर्कता जागरूकता माह के अंतर्गत सिक्योर भवन के सभागार में सतर्कता जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में बार एवं रॉड मिल, मर्चेंट मिल तथा वायर रॉड मिल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक (बीआरएम एवं एमडब्ल्यूआरएम) योगेश शास्त्री अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में सतर्कता ही बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कार्यस्थल पर पारदर्शिता, जवाबदेही एवं नैतिक मूल्यों के पालन को आवश्यक बताते हुए कहा कि प्रत्येक कर्मचारी को सतर्कता संबंधी नियमों एवं प्रावधानों की जानकारी रखनी चाहिए तथा



अपने कार्यक्षेत्र से जुड़ी नवीनतम जानकारियों से निरंतर अपडेट रहना चाहिए।

कार्यशाला में सतर्कता विभाग की ओर से महाप्रबंधक सुश्री रेनू गुप्ता एवं उप महाप्रबंधक नवनीत शर्मा ने विस्तृत एवं ज्ञानवर्धक प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने विभिन्न केस स्टडी के माध्यम से सतर्कता संबंधी नियमों, प्रक्रियाओं एवं प्रावधानों की व्यावहारिक जानकारी दी। प्रस्तुतीकरण को रोचक एवं संवादात्मक शैली में प्रस्तुत किया गया, जिससे प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा विभिन्न विषयों पर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया।

वक्ताओं ने दैनिक कार्यप्रणाली में पारदर्शिता, ईमानदारी, जवाबदेही एवं सतर्कता बनाए रखने की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया। कार्यशाला का उद्देश्य कर्मचारियों में सतर्कता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ संगठन में स्वच्छ, पारदर्शी एवं नैतिक कार्यसंस्कृति को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम के अंत में योगेश शास्त्री ने सभी अतिथियों, वक्ताओं एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

छत्तीसगढ़ सरकार ने 2027 के लिए शासकीय अवकाश सूची जारी की

रायपुर। राज्य सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने वर्ष 2027 के लिए शासकीय कार्यालयों में सामान्य एवं ऐच्छिक अवकाश की सूची जारी कर दी है।जारी सूची के अनुसार सामान्य अवकाश के तहत कुल 25 छुट्टियां घोषित की गई हैं।

पांच छुट्टियां शनिवार को

2027 की अवकाश सूची में घोषित 25 सामान्य छुट्टियों में से 5 छुट्टियां शनिवार को पड़ रही हैं।प्रदेश के अधिकांश सरकारी कार्यालयों में पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू होने से शनिवार-रविवार पहले से ही अवकाश रहता है, इसलिए इन पांच छुट्टियों का अतिरिक्त लाभ नहीं मिलेगा। रविवार, शनिवार और सामान्य अवकाश को मिलाकर कुल 124 दिन छुट्टियां रहेंगी, जबकि 241 दिन कार्यालयीन कार्य दिवस होंगे।







"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100